राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 19 अगस्त 2022 वर्ष–5,अंक–202 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जन्माष्टमी पर देशभर के मंदिरों में धूम, लोगों में काफी उत्साह

नई दिल्ली। देश में हर साल भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव काफी धूमधाम से मनाया जाता है। भगवान के जन्मोत्सव को जन्माष्टमी के त्योहार के रूप में मनाया जाता है। हर साल की तरह इस बार भी जन्माष्टमी के त्योहार की मंदिरों में धूमधाम में तैयारियां चल रही हैं। लोगों में उल्लास का माहौल है और देशभर के मंदिरों की मनमोहक तस्वीरें सामने आने लगी हैं। वृंदावन के बांकेबिहारी से लेकर मथुरा के इस्कोन मंदिर तक बड़े ही खूबसूरत ढंग से सजाए गए हैं।

जन्माष्टमी की तिथि को लेकर संशय-वैसै तो हर साल लोग जन्माष्टमी से पहले ही तैयारियां शुरू कर लेते हैं लेकिन इस बार लोगों में इसकी तिथि को लेकर संशय था। इस बार दो दिन 18 और 19 अगस्त को जन्माष्टमी मनाई जा रही है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार अष्टमी तिथि आज 18 अगस्त को रात 9 बजकर 21 मिनट से शुरू हो जाएगी। यह तिथि कल यानी 19 अगस्त को रात 10 बजकर 59 मिनट पर समाप्त हो जाएगी। बता दें कि ऐसी मान्यता है कि भगवान कृष्ण का जन्म रात 12 बजे हुआ था यही कारण है कि आज का दिन शुभ माना जा रहा है। जन्माष्टमी के अवसर पर दिल्ली में भी हर साल की तरह इस वर्ष भी भगवान श्रीकृष्ण व मंदिर की सजावट पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती हुई नजर आएगी। पंजाबी बाग स्थित इस्कान मंदिर में पर्यावरण संरक्षण थीम को मद्देनजर रखते हुए सजावट की जा रही है। सजावट के माध्यम से भक्तों को समझाया जाएगा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए कितना घातक है। न सिर्फ सजावट बल्कि भगवान श्रीकृष्ण की पोशाक भी कुछ इसी प्रकार डिजाइन की गई है कि ताकि जन-जन तक संदेश पहुंचे कि पर्यावरण जीवन का अहम हिस्सा है। वृंदावन और मथुरा में भी जन्माष्टमी को लेकर बड़े स्तर पर तैयारियां चल रही है।

गालीबाज श्रीकांत त्यागी फिर योगी सरकार को दे सकता है टेंशन, पुलिस की भी बढ़ी चिंता

नोएडा। श्रीकांत त्यागी प्रकरण को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। मामले में अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अन्य जिले भी शामिल हो गए हैं। नोएडा के गेझा गांव में त्यागी समाज द्वारा 21 अगस्त को बुलाई गई महापंचायत का प्रचार गांव-गांव किया जा रहा है। इसे देखते हुए नोएडा पुलिस अलर्ट पर है। गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के पुलिस अधिकारियों से संपर्क कर रही है। उनके माध्यम से लोगों को बताया जा रहा है कि समाज के लोगों की प्रमुख मांगें मान ली गई हैं। जेल गए युवक जमानत पर रिहा हो चुके हैं। ऐसे में इस महापंचायत को आयोजित नहीं किया जाना चाहिए। पुलिस की कोशिश है कि लोग महापंचायत में न पहुंचने पाएं। अपर आयुक्त कानून और व्यवस्था लव कुमार ने कहा कि महापंचायत को लेकर नोएडा पुलिस अलर्ट पर है। समाज के प्रमुख लोगों के साथ ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश के

पुलिस अधिकारियों से भी वार्ता की जा रही है। पुलिस की महापंचायत का प्रचार कर रहे सोशल मीडिया एकाउंट पर भी नजर है।

श्रीकांत त्यागी के फेसबुक पेज से भी प्रचार

दूसरी ओर, महापंचायत के लिए त्यागी समाज के विभिन्न संगठन जुटे हुए हैं। श्रीकांत त्यागी के फेसबुक पेज से भी प्रचार किया जा रहा है।

रालोद के राष्ट्रीय महासचिव श्रीकांत के घर पहुंचे

रालोद के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी बुधवार शाम ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी में पहुंचे। यहां पर उन्होंने श्रीकांत की पत्नी अन्नू त्यागी और अन्य परिवारजनों से मुलाकात की। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस मामले में रालोद पूरी तरह से उनके साथ है।

श्रीकांत त्यागी प्रकरण को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। मामले में अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अन्य जिले भी शामिल हो गए हैं। नोएडा में 21 को महापंचायत के ऐलान ने पुलिस की चिंता बढ़ा दी है।

प्राधिकरण ने श्रीकांत के निर्माण को तोड़ दिया, जबकि ऐसा ही अवैध निर्माण सोसाइटी में 40 से अधिक घरों में है। पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई की। इसको लेकर वह गुरुवार को कमिश्नर से भी मिलेंगे। कमिश्नर से उनकी मांग रहेगी कि दोषी पुलिसकर्मियों को निलंबित करें।

फिरोजाबाद में सीएम योगी के होर्डिंग्स पर अब कालिख फेंकी, शहर की फिजा बिगाड़ने का भी प्रयास

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के होर्डिंग्स से छेड़छाड़ का सिलसिला खत्म नहीं हो रहा है। 12 अगस्त की रात को जिस तरह होर्डिंग्स से चेहरे काटे गए थे, वही अब 17 अगस्त की रात को चेहरों पर कालिख फेंकी गई है। भाजपा नेताओं ने पुलिस के बुधवार को किए खुलासे पर भी सवाल उठाए हैं। शहर की फिजा को बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है। फिरोजाबाद में 12 अगस्त की रात को आजादी के अमृत महोत्सव को लेकर नगर निगम क्षेत्र में दर्जनों स्थानों पर शुभकामनाओं के होर्डिंग्स लगाए गए थे। इन होर्डिंग्स में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चेहरों को 12 अगस्त की रात को काट दिया गया था। इस घटना के बाद 13 अगस्त की सुबह शहर में लोगों ने जब हंगामा शुरू किया तो आनन-फानन में प्रशासन ने इन होर्डिंग्स को उतरवा दिया था। साथ ही थाना उत्तर और थाना दक्षिण में मुकदमे दर्ज कराए गए थे। पुलिस लगातार सीसीटीवी फुटेज से मामले को खंगाल रही थी। बुधवार को पुलिस ने गुपचुप तरीके से एक आरोपी को साजिश में शामिल होने की बात कहते हुए जेल भेज दिया। आरोपी युवक को विक्षिप्त भी बताया है। गुरुवार की सुबह सुहाग नगर चौराहे के निकट होर्डिंग्स से मुख्यमंत्री के चेहरे पर कालिख पोती हुई मिली। होर्डिंग्स पर कालिख को फेंका गया है। घटना की जानकारी होते ही भाजपा नेताओं ने जिलाधिकारी और सीओ सिटी को मामले से अवगत कराया है।

देश के इन राज्यों में आज से 4 दिन तक मूसलाधार बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में लगातार भारी बारिश के कारण बुरा हाल है। आम जनजीवन पर असर पड़ा है। मौसम विभाग ने आज कई राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक 19 अगस्त के आसपास बंगाल की उत्तरी खाड़ी पर निम्न दबाव के क्षेत्र के प्रभाव में हल्की बारिश की संभावना है। इस बीच मौसम विभाग ने 21 अगस्त तक देश के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। इस पूर्वानुमान के मुताबिक मध्य प्रदेश, गंगीय पश्चिम बंगाल, मध्य महाराष्ट्र और ओडिशा के कुछ हिस्से बुरी तरह प्रभावित हो सकते हैं। गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, उत्तराखंड, राजस्थान समेत ज्यादातर राज्यों में आज भी बारिश के आसार हैं। ढ्ढरूष्ठ के मुताबिक, सौराष्ट्र और कच्छ इलाकों में आज भारी बारिश होगी। कोंकण और गोवा में 20 और 21 अगस्त को बारिश होगी। वहीं, गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, विदर्भ, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में 18 से 21 अगस्त तक मध्यम बारिश के आसार है। ओडिशा में आज से 20 अगस्त तक गरज के साथ हल्की बारिश होगी। झारखंड में 19 और 20 को, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में 19 से 21 अगस्त तक कई इलाकों में हल्की बारिश का अनुमान है।

यूपी के इन जिलों में भारी बारिश के आसार, येलो अलर्ट जारी-उत्तर प्रदेश में प्रयागराज, प्रतापगढ़, वाराणसी, सोनभद्र समेत कई जिलों में बारिश का अलर्ट है। लो प्रेशर एरिया की वजह से तेज हवाएं चल रही हैं। मानसून के ट्रफ रेखा से ऊपर जाने की स्थिति में बारिश की संभावना बनेगी। यूपी में अगले 2-3 दिनों तक बादल जमकर बरस सकते हैं। मौसम विभाग ने यूपी के 40 जिलों में 19 अगस्त तक बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले 2-3 इसी तरह का मौसम रहेगा। इन जिलों में गरज चमक के साथ बिजली गिरने की चेतावनी दी है। मौसम विभाग ने लखनऊ, मुरादाबाद, रामपुर , बरेली, पीलीभीत, बाराबंकी, कानपुर, लखीमपुर आदि।

बिहार में मंत्रियों के बंटवारे से खुश नहीं हैं गुलाम नबी आजाद, बोले

कांग्रेस कोटे से बनने चाहिए थे 4 मंत्री, इसके पीछे दिया ये तर्क

नयी दिल्ली। बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद से लगातार घमासान मचा हुआ है। कार्तिकेय सिंह और लेशी सिंह को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की गई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अलावा एक जदयू विधायक ने भी नीतीश सरकार पर सवाल खड़े कर दिए। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद का बयान भी सामने आया है। जिसमें उन्होंने मंत्रिमंडल विस्तार के फॉर्मूले पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने मानना है कि कांग्रेस को उचित हिस्सेदारी नहीं मिली है।

आजाद ने कहा कि गैर भाजपा दलों का मिलकर सरकार बनाना स्वागत योग्य कदम है, लेकिन कांग्रेस को उचित हिस्सेदारी नहीं मिली है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि महागठबंधन में कांग्रेस को छोड़कर अन्य घटक दलों को अच्छी संख्या में मंत्री पद मिले हैं। आजाद का मानना है कि कांग्रेस को कम से कम 4 मंत्री पद मिलने चाहिए थे।

हिंदी समाचार एजेंसी भाषा के साथ बातचीत में आजाद ने कहा कि आप देखिए कि राजद के पास 79 विधायक हैं और उसे 17 मंत्री पद मिले हैं और जनता दल (यूनाइटेड) कोटे के 46 विधायक (एक निर्दलीय समेत) हैं और उसे 13 मंत्री पद मिले हैं। हिंदुस्तान अवामी मोर्चा के चार विधायक हैं और उसे एक मंत्री पद मिला है। कांग्रेस के 19 विधायक हैं और उसे सिर्फ दो मंत्री पद मिले हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि विभागों का बंटवारा भी बिना किसी तर्क के किया गया है और यह हैरान करने वाली बात है कि कांग्रेस से किसी ने भी मंत्री पदों को लेकर समुचित हिस्सेदारी के लिए दबाव नहीं बनाया।

गौरतलब है कि मंत्रिमंडल विस्तार के एक दिन बाद राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुलाकात की। कहा जा रहा है कि लालू प्रसाद यादव ने ही नीतीश कुमार को महागठबंधन में शामिल करने की पूरी योजना तैयार की थी और इसकी शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के पटना स्थित आवास पर इफ्तार पार्टी के दौरान हो गई थी।

पश्चिम बंगाल में पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

आतंकवादी संगठन के दो संदिग्ध सदस्य गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने बुधवार रात उत्तर 24 परगना जिले से अल कायदा के दो संदिग्ध सदस्यों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एसटीएफ के अधिकारियों ने एक गुप्त सूचना के आधार पर उत्तर 24 परगना के शासन थाना क्षेत्र के खारीबारी में बुधवार रात तलाशी शुरू की और दोनों को आतंकवादी संगठन से कथित संलिप्तता के मामले में गिरफ्तार

कर लिया।

अधिकारी के अनुसार, उनमें से एक की पहचान दक्षिण दिनाजपुर जिले के गंगारामपुर के निवासी के तौर पर हुई है, वहीं दूसरा हुगली जिले के आरामबाग का रहने वाला है। उनके पास से कई दस्तावेज मिले हैं।

बिहार में उठते सवालों के बीच छात्रा को सरेराह मार दी गोली, हालत गंभीर

पटना। बिहार में नई सरकार के गठन के बाद कानून व्यवस्था पर उठते सवालों के बीच राजधानी पटना में कोचिंग से लौट रही एक 9वीं कक्षा की छात्रा को अपराधी ने सरेआम गोली मार दी। गोली लगने के बाद छात्रा जख्मी हो गई, उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रा है। वारदात इंद्रपुरी में हुई। पुलिस का कहना है कि मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ है और आरोपी पूर्व प्रेमी फरार है। मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे का फुटेज भी सामने आया है, जिसमें आरोपी लड़की को गोली मारकर भागता हुआ दिखाई दे रहा है।

जानकारी के मुताबिक यह वारदात पटना के बेऊर थाना इलाके के इंद्रपुरी रोड

नंबर 4 पर बुधवार दोपहर में हुई। गोली चलते ही आसपास के इलाके में अफरातफरी मच गई। छात्रा के पिता सब्जी बेचते हैं। उसका घर मौके से करीब 200 मीटर ही दूर है।

कोचिंग संस्थान बदलने से नाराज था एक्स बॉयफ्रेंड

पुलिस का कहना है कि प्रथमदृष्ट्या यह मामला प्रेम प्रसंग का लग रहा है। छात्रा पहले किसी और कोचिंग संस्थान में पढ़ाई करने जाती थी। वहीं पर एक युवक के साथ उसका प्रेम प्रसंग चल रहा था। बाद में दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। फिर छात्रा ने दूसरे कोचिंग संस्थान में जाना शुरू कर दिया। इससे उसका पूर्व प्रेमी नाराज हो गया और उसने छात्रा को गोली मार दी।

सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

बेऊर थानेदार अतुलेश कुमार ने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। छात्रा का बयान दर्ज करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। आरोपी जक्कनपुर का रहने वाला है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में आरोपी की तस्वीर कैद हो गई। लड़की का एक्स बॉयफ्रेंड उसका पीछा करते हुए दिख रहा है। फुटेज में देखने से पता चल रहा है कि आरोपी ने छात्रा के सिर में गोली मारने की कोशिश की थी। मगर वह आगे बढ़ गई और गोली उसके कंधे में जाकर लग गई। सिर में गोली लगती तो छात्रा की मौके पर ही मौत हो सकती थी।

जम्मू-कश्मीर में बसे बाहरी भी डाल पाएंगे वोट, शामिल होंगे 25 लाख नए मतदाता; चुनाव आयोग का बड़ा फैसला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) हिरदेश कुमार ने एक बड़े फैसले में घोषणा की है। आयोग ने कश्मीर से बाहर के लोगों को भी मतदान का अधिकार दिया है। इनमें कर्मचारी, छात्र, मजदूर या देश के दूसरे राज्यों के वे व्यक्ति शामिल होंगे जो आमतौर पर जम्मू-कश्मीर में रह रहे हैं। वे मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। साथ ही जम्मू-कश्मीर में होने वाले चुनाव में वोट कर सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा कि बाहरी लोगों को मतदाता के रूप में सूचीबद्ध करने के लिए अधिवास की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा है कि अन्य राज्यों के सशस्त्र बल के जवान जो जम्मू-कश्मीर में तैनात हैं, वे भी अपना नाम मतदाता सूची में जोड़ सकते हैं।

किराए पर रह रहे लोग भी कर सकेंगे मतदान

चुनाव आयुक्त ने स्पष्ट किया कि गैर-स्थानीय लोगों के लिए मतदान के लिए कोई रोक नहीं है। उन्होंने कहा, ÷इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई जम्मू कश्मीर में कितने समय से रह रहा है। गैर स्थानीय जम्मू कश्मीर में रह रहा है या नहीं इस पर अंतिम फैसला ईआरओ करेगा। यहां किराए पर रहने वाले भी

मतदान कर सकते हैं।

20 से 25 लाख वोटर बढ़ने की संभावना

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में शामिल होने की एकमात्र शर्त यह है कि व्यक्ति ने अपने मूल राज्य से अपना मतदाता पंजीकरण रद्द कर दिया हो। आयोग के इस फैसले से मतदाता सूची में करीब 20 से 25 लाख नए मतदाता शामिल होंगे।

महबूबा ने लगाया बीजेपी की मदद करने का आरोप

चुनाव आयुक्त के इस फैसले पर पीडीपी की मुखिया महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, %पहले %जम्मू-कश्मीर में चुनावों को स्थगित करने का भारत सरकार का निर्णय और अब गैर स्थानीय लोगों को वोट देने की अनुमति देना, यह भाजपा के पक्ष में चुनाव परिणामों को प्रभावित करना के संकेत हैं। असली उद्देश्य स्थानीय लोगों को शक्तिहीन करने के लिए जम्मू-कश्मीर पर सख्ती से शासन करना जारी रखना है।

जम्मू कश्मीर में परिसीमन आयोग की रिपोर्ट लागू होने के बाद विधानसभा सीटों की संख्या 90 हो गई है। विधानसभा सीटों की संख्या में वृद्धि के साथ मौजूदा मतदाता सूची में व्यापक बदलाव आया है। अब नए ढांचे के अनुसार मतदाता सूची तैयार की जा रही है।

पूरे जम्मू कश्मीर में मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है, हालांकि जम्मू कश्मीर में 15 अगस्त की तैयारियों को देखते हुए इसे रोक दिया गया था। इससे पहले अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के लिए 31 अक्टूबर की समयसीमा तय की गई थी, हालांकि इसे अब 25 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू कश्मीर में नए मतदान केंद्र बन रहे हैं और मतदान केंद्रों की संख्या 11,370 हो गई है।÷ जम्मू कश्मीर में 15 सितंबर से 25 अक्टूबर तक समरी रिवीजन के दौरान जम्मू कश्मीर में कैंप आयोजित किए जाएंगे, जहां लोग मतदाता के रूप में अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

संपादकीय

मानवता की प्रार्थना

दुनिया के इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदियों में शामिल भारत विभाजन की विभीषिका में जिन लाखों निर्दोष लोगों की जानें गईं, अब उनकी शहादत को गरिमा देना समय की पुकार है। इस सांप्रदायिक हिंसा में मारे गये लाखों लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिये मंगलवार को अकाल तख्त में पहली बार जिस विशेष 'अरदास समागम' का आयोजन किया गया, वह मानवता के प्रति हमारे दायित्वों का बोध कराता है। इस समागम में सभी संप्रदायों के लोगों ने भागीदारी की और मांग की गई कि भारत व पाकिस्तान की सरकारें कम से कम एक दिन अपनी संसद में शोक प्रस्ताव पारित करके विभाजन की त्रासदी के शिकार दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दें। निस्संदेह, जब दोनों देश आजादी के 75 साल पूरे कर रहे हैं तो ऐसी सार्थक पहल वक्त की जरूरत कही जा सकती है। निस्संदेह, विभाजन का दंश झेलने वाले इन लोगों ने दोनों देशों की आजादी की कीमत चुकाई है, जो एक मायने में आजादी के लिये शहादत का ही एक रूप है। जिनका भावपूर्ण स्मरण हमारा नैतिक दायित्व भी बनता है। निस्संदेह, ऐसी पहल हर इंसान को सोचने को विवश करेगी कि सांप्रदायिक संकीर्णताएं मानवता के लिये कितना बड़ा अभिशाप हैं। जो आपराधिक तत्वों को हिंसक कृत्य करने और स्वच्छंद व्यवहार करने का अवसर देती हैं। यह भी कि तत्कालीन राजनीतिक दलों ने अपने निहित स्वार्थों के लिये मानवता की रक्षा के दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन नहीं किया। हमारी आजादी के लिये इन लाखों लोगों ने कितनी बड़ी कीमत चुकाई, वह कल्पना से परे की बात है। सदियों से स्थापित जड़ों से उखड़कर कई पीढ़ियों से अर्जित चल-अचल संपत्ति को कुछ ही क्षणों में गंवाना किसी वज्रपात से कम नहीं था। वजह सिर्फ यह कि धार्मिक संकीर्णताओं ने हैवानियत की आग में घी डालने का काम किया। निस्संदेह, इस त्रासदी के मूल में ब्रिटिश हुकमरानों की साजिश भी शामिल थी, जो भारतीय आजादी को विफल बनाने की साजिश कर रहे थे।

बहरहाल, आजादी के 75 साल पूरे होने पर दोनों देशों के हुकमरानों को सोचना होगा कि कटुता की यह आग राजनीतिक स्वार्थों के लिये और न भड़कायी जाये। इस आग की कीमत सिर्फ और सिर्फ मानवता को ही चुकानी पड़ती है। भौगोलिक सीमाओं ने अब हमें पड़ोसी बनाया है, हम पड़ोसी नहीं बदल सकते। 21वीं सदी में दोनों देशों और सभी संप्रदायों को सोचना होगा कि हमारी संकीर्ण सोच के चलते मानवता ने कितनी बड़ी कीमत चुकायी है। यह उदाहरण है कि सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति कितनी घातक होती है। जिन लाखों लोगों ने अपने घर-बार, परिवार और चल-अचल संपत्ति गवांई, उनकी कभी न खत्म न होने वाली टीस बार-बार इस जहरीली सोच की हकीकत बताती है। निस्संदेह, सांप्रदायिकता की राजनीति आग से खेलने जैसी होती है जिसकी कीमत दोनों ही संप्रदायों को चुकानी पड़ती है। राजनीतिक ताकतें इसी सांप्रदायिकता का भय दिखाकर ही अपने निरंकुश एजेंडे और मनमानी नीतियों को अंजाम देकर सत्ता में बनी रहती हैं। इसी आग में विकास और नई संभावनाओं का पराभव होता है। किसी भी तरह का संघर्ष व तनाव मनुष्यता के स्वाभाविक विकास में बाधक ही है। ईश्वर ने सभी इंसानों को एक जैसा बनाया है जो जन्म से एक जैसे ही होते हैं। लेकिन धार्मिकता की संकीर्णताएं इंसान में विभाजन के बीज बो देती हैं। निस्संदेह, धर्म व्यक्ति का निजी व्यवहार है। उसकी सीमा वहां खत्म हो जाती है जहां दूसरे की आस्था शुरू होती है। सीमाओं का यही अतिक्रमण मानवता के लिये अभिशाप बनता है। कभी कहा जाता रहा है कि सांप्रदायिकता का घातक प्रभाव अशिक्षा के चलते होता है, लेकिन विडंबना देखिये कि पढ़ी-लिखी पीढ़ी भी सांप्रदायिकता के संजाल में उलझती जा रही है। आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित करने के लिये सोलहवीं सदी की कबीलाई सोच से मुक्त होने की जरूरत है। अन्यथा यह टकराव व हिंसा का ज्वार मानवता की प्रगति व विकास पर ग्रहण बनकर उसे लीलता रहेगा। यह जागने का वक्त है। भारत-पाक को वीजा नीतियों में उदारता से लोगों के आपसी संपर्क को बढ़ावा देकर मानवता के संवर्धन का मार्ग प्रशस्त करना होगा।

थोक महंगाई में नरमी

खाद्य वस्तुओं और विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में नरमी से थोक कीमतों पर आधारित मुद्रास्फीति में गिरावट आई है। थोक मूल्य सूचकांक (ड़ब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जुलाई में 13.93 प्रतिशत रही जो पिछले पांच महीनों में सबसे निचला स्तर है। जून में यह 15.18 प्रतिशत और मई में 15.88 प्रतिशत की रिकॉर्ड ऊंचाई पर थी। गिरावट का असर खुदरा महंगाई दर में नरमी के रूप में देखने को मिलेगा बशर्ते कच्चे तेल की कीमतों पर जो दबाव है, उसमें कमी हो। यदि कच्चे तेल के दाम ऊंचे बने रहे तो थोक मूल्य सूचकांक में गिरावट का लाभ उपभोक्ताओं को मिलने में देरी होगी। अच्छी बात यह है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार हो रहा है। धातु, तेल और उर्वरक की मांग में वृद्धि से वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत हैं। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और आपूर्ति पक्ष की अड़चन दूर की जा सकीं तो यकीनन थोक कीमतों पर आधारित मुद्रास्फीति और कम करने में मदद मिलेगी। ड़ब्ल्यूपीआई महंगाई में जुलाई में लगातार दूसरे महीने गिरावट का रुख देखने को मिला है। लेकिन पिछले साल अप्रैल से, यानी सोलह माह में, अभी भी यह लगातार दो अंकीय बनी हुई है। वैश्विक अर्थव्यवस्था रूस-यूक्रेन युद्ध और कोरोना महामारी के प्रभावों से जूझ रही है। मजबूत मानी जाने वाले देशों के अंदरूनी हालात निराशाजनक हैं, और वैश्विक मंदी का अंदेशा जताया जा चुका है। ऐसे में थोड़ा भी कुछ सकारात्मक होता है, तो निश्चित ही बड़ा संबल होगा। भारत के बुनियादी संकेतक मजबूत हैंग लेकिन सरकार के सामने खुदरा महंगाई बड़ी चुनौती है। भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दर बढ़ाई है ताकि खुदरा महंगाई को काबू में रखा जा सके। थोक महंगाई में नरमी निश्चित ही सुखद घटनाक्रम है, लेकिन इसका फायदा उपभोक्ता तक तभी पहुंच पाएगा जब कच्चे तेल के दामों में थोड़ी नरमी आए। महीनों से चिंता का सबब बनी थोक महंगाई में गिरावट निश्चित ही अर्थव्यवस्था के लिए पुरसुकून स्थिति है।

चिंतन-मनन

ध्वनि तंरगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तंरगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है। पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

कोलाहाल में भी गूंजती थी राकेश झुनझुनवाला की आवाज

आर.के. सिन्हा

कोलाहाल में भी राकेश झुनझुनवाला की आवाज को साफतौर पर सुना जा सकता था। उनकी आवाज में विश्वास और अनुभव को महसूस किया जा सकता था। वे जब किसी से मिलते तो ये ही कहते थे- 'क्या हाल है आपका ? 'क्या कर सकता हूं मैं आपके लिए? 'मार्केट किस तरफ जाएगीज।' जाहिर है, वे जब मार्केट का जिक्र करते थे तब वे शेयर बाजार की चाल के बारे में अपने करीबियों से भी उनकी राय पूछते थे। हां, पर वे किसी भी कंपनी के स्टॉक में निवेश करते हुये अपने शेयर मार्केट के अनुभव का ही सहारा लेते थे। उनके आकस्मिक निधन से देश के उन लाखों निवेशकों का एक तरह से विश्वस्त मार्गदर्शक विदा हो गया है, जिसे देखकर वे हजारों निवेशक भी शेयर मार्केट में निवेश करके अच्छा पैसा कमाने लगाने थे। वे बेशक आज के दिन के देश की शेयर मार्केट के सबसे बड़े ब्रांड एंबेसेडर थे। भारत के शेयर बाजार का जिक्र उनकी चर्चा किये बगैर अधूरा ही रहता था।

राकेश झुनझुनवाला का संबंध मुंबई में बस गए एक मारवाड़ी परिवार से था। उनके पिता राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र से मुंबई में आकर बस गए थे। वे इनकम टैक्स विशेषज्ञ थे। वे मेहनत करके घर चलाने वाले इंसान थे। राकेश झुनझुनवाला ने अपने पिता को कड़ी मेहनत करते हुए देखा था। वे स्कूल के दिनों से ही मेधावी छात्र थे। वे चार्टर्ड अकाउंटेंट बने और उसके बाद वे देखते-देखते स्टॉक मार्केट के सबसे खास निवेशक और विशेषज्ञ बन गए। उन्हें देश के लाखों निवेशक रोज बिजनेस चैनलों पर सुनकर शेयर बाजार में निवेश करने के संबंध में अपनी राय बनाते थे। हालांकि, वे बार-बार अपने सुनने वालों को कहते थे कि किसी भी कंपनी के शेयर में निवेश करने से पहले कंपनी का पूरा विश्लेषण कर लो। आपको अच्छे से विश्लेषण किए बगैर निवेश करने से बचना होगा। इसके अलावा कंपनी की भविष्य की योजनाओं और उसके टॉप मैनेजमेंट पर भी नजर रखनी होगी। अगर आप ये सब कर सकते हैं तब ही आपको स्टॉक मार्केट में निवेश करने के बारे में सोचना चाहिए। अन्यथा नहीं। उनसे टिप्स लेकर लाखों निवेशकों ने शेयर मार्केट से अच्छा पैसा कमाया ।

कहते हैं कि जो इंसान बिजनेस में रिस्क लेने से घबराता हो उसे बिजनेस की दुनिया से दूर ही रहना चाहिए। बिजनेस और निवेश में कभी-कभी तगड़े झटके भी लगते हैं। राकेश झुनझुनवाला ने भी बिजनेस में कई बार भारी नुकसान उठाया था। पर वे हमेशा ही रिस्क लेने के लिय तैयार रहते थे। इस लिहाज से राकेश झुनझुनवाला 100 फीसद व्यापारी मन के इंसान थे। वे बिजनेस में घाटा उठाने से घबराते नहीं थे। उनकी योजनाएं भी दीर्घकालिक होती थीं। वे मानते थे

> राकेश झुनझुनवाला मलंग किस्म के शख्स थे। वे कभी-कभी अपने दफ्तर में बिना प्रेस की हुई शर्ट पहनकर भी चले जाते थे। एक बार राकेश झुनझुनवाला से किसी पत्रकार ने पूछा कि आपकी शर्ट में सिलवटें क्यों रहती हैं। राकेश झुनझुनवाला ने कहा था- 'मैंने 600 रुपये देकर अपनी शर्ट प्रेस कराई थी, इसके बाद भी उसमें सिलवटें पड़ गईं तो मैं क्या कर सकता हूं? दरअसल वह शर्ट ही ऐसी थी। मुझ पर इससे क्या फर्क पड़ता है? मुझे कौन सा वहां क्लाइंट बनाना या कस्टमर बनाना है? मैं तो शॉर्ट्स पहनकर भी ऑफिस चला जाता हूं।' राकेश झुनझुनवाला कई कंपनियों के बोर्ड में डायरेक्टर भी थे।

कि उस धंधे में निवेश करना चाहिए जिसमें आगे चलकर ठोस संभावनाएं बनती हों। इसी सोच को ध्यान में रखते हुये उन्होंने 'अकासा एयर' नाम की एयरलाइन एक अल्ट्रा-लो कॉस्ट विमान सेवा में मोटा निवेश भी किया था।

राकेश झुनझुनवाला इस एयरलाइन में 3.5 करोड़ डॉलर या करीब 264 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके थे। वो इसके लिए 70 विमान खरीदने की तैयारी कर रहे थे। राकेश झुनझुनवाला एविएशन सेक्टर में तगड़ा निवेश करने लगे तो कहते हैं कि उन्हें उनके एक उद्योगपति मित्र ने कहा कि यह (एविएशन) इस तरह का बिजनेस है जहां पर अरबपति आते हैं और वे लखपति बनकर रह जाते हैं। उन्होंने अपने मित्र को फौरन जवाब दिया कि भारत का एविएशन सेक्टर लंबी छलांग लगाने के लिए तैयार है। अब देश का चप्पल पहनने वाला शख्स भी विमान से सफर करने लगा है। देश के अनेक हवाई अड्डों पर रेलवे स्टेशनों से अधिक मुसाफिरों की भीड़ रहती है। इसलिये एविएशन सेक्टर की ग्रोथ को अब कोई नहीं रोक सकता। उनकी बात सही थी। देश में मिडिल क्लास की बढ़ती संख्या और एविएशन सेक्टर का विकास एक साथ हो रहा है। अब मिडिल क्लास सिर्फ हवाई यात्रा करके ही अपने गंतव्य स्थान की तरफ जाना पसंद करता है, इसलिए देश में नए-नए हवाई अड्डों का निर्माण हो रहा है। यह क्रम जारी ही रहने वाला है। देश के एविएशन सेक्टर में रोजगार के अवसर भी भरपूर पैदा हो रहे हैं।

जाहिर है, राकेश झुनझुनवाला जैसा समझदार निवेशक पैसा फूंकने के लिए तो कहीं निवेश करेगा नहीं। इसलिए ही उन्होंने अकासा एयर में निवेश किया। सरकार ने जब आकासा एयर को अपनी सेवा को शुरू करने की मंजूरी दी थी तो उसके कुछ समय के बाद वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मिले थे। इस मुलाकात की एक तस्वीर में वे कुर्सी पर बैठे दिख रहे हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राकेश की पत्नी रेखा झुनझुनवाला खड़े होकर उनसे बात करते नजर आ रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी भारत के वॉरेन बफेट, बिग बुल और दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला का सदा सम्मान करते थे। राकेश झुनझुनवाला के निधन पर प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें याद करते हुए कहा कि वे अदम्य थे। वह काफी मजाकिया और व्यावहारिक थे। भारत को वित्तीय दुनिया में उन्होंने अमिट योगदान दिया। वह भारत की प्रगति के प्रति अति भावुक भी थे। उनका आकस्मिक जाना दुखद है। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं।

राकेश झुनझुनवाला मलंग किस्म के शख्स थे। वे कभी-कभी अपने दफ्तर में बिना प्रेस की हुई शर्ट पहनकर भी चले जाते थे। एक बार राकेश झुनझुनवाला से किसी पत्रकार ने पूछा कि आपकी शर्ट में सिलवटें क्यों रहती हैं। राकेश झुनझुनवाला ने कहा था- 'मैंने 600 रुपये देकर अपनी शर्ट प्रेस कराई थी, इसके बाद भी उसमें सिलवटें पड़ गईं तो मैं क्या कर सकता हूं? दरअसल वह शर्ट ही ऐसी थी। मुझ पर इससे क्या फर्क पड़ता है? मुझे कौन सा वहां क्लाइंट बनाना या कस्टमर बनाना है? मैं तो शॉर्ट्स पहनकर भी ऑफिस चला जाता हूं।' राकेश झुनझुनवाला कई कंपनियों के बोर्ड में डायरेक्टर भी थे। वे जब बोर्ड की बैठकों में भाग लेते थे तो कंपनी के सीईओ और दूसरे आला अफसर पूरी तैयारी के साथ उसमें भाग लेते थे, क्योंकि, वे खामियां दिखने पर तो सवालों की झड़ी लगा देते थे। वे सिर्फ सवाल ही नहीं पूछते थे। राकेश झुनझुनवाला उचित सुझाव भी देते थे, ताकि कंपनी को लाभ होने लगे और उसके निवेशक भी कमाने लगें। उनके निधन से देश ने वन एंड ऑनली राकेश झुनझुनवाला को खो दिया है। वे जीवंत, अंर्तदृष्टिपूर्ण और भारत को लेकर बहुत आशावादी इंसान थे।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

विचार मंथन

कश्मीरी पंडित खौफजदा

सिद्धार्थ शंकर

दक्षिण कश्मीर में एक बार फिर टारगेट किलिंग का मामला सामने आया है। शोपियां में मंगलवार को आतंकियों ने दो भाइयों पर फायरिंग कर दी। इसमें एक की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल है। छोटेपोरा इलाके में दोनों भाई सेब के बागान में काम कर रहे थे। इस दौरान वहां कुछ आतंकी आए और फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने से एक भाई की मौत हो गई। उसकी पहचान सुनील कुमार भट्ट के रूप में हुई है। वह चार बेटियों के पिता थे। वहीं, उनका भाई पीतांबर नाथ पंडित उर्फ पिंटू कुमार गंभीर रूप से घायल है, उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक टारगेटेड किलिंग पाकिस्तान की कश्मीर में अशांति फैलाने की नई योजना है। माना जा रहा है कि इसका मकसद, धारा 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास की योजनाओं पर पानी फेरना है। 370 हटने के बाद से ही कश्मीर में टारगेटेड किलिंग कि घटनाएं बढ़ी हैं, जिसमें खास तौर पर आतंकियों ने कश्मीरी पंडितों, प्रवासी कामगारों और यहां तक कि सरकार या पुलिस में काम करने वाले उन स्थानीय मुस्लिमों को भी सॉफ्ट टागरेट बनाया है, जिन्हें वे भारत का करीबी मानते हैं। कश्मीर में हर महीने टारगेट किलिंग के पीछे आतंकवादियों पर बढ़ता मानसिक दवाब है। अगर हम मौजूदा आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो इस समय कश्मीर घाटी में सक्रिय आतंकियों की संख्या 150 से भी कम होकर रह गई है। हालांकि जम्मू-कश्मीर पुलिस इस वर्ष के अंत तक सक्रिय आतंकियों की संख्या 100 से भी नीचे लाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। यही वजह है कि सक्रिय आतंकी टारगेट किलिंग को अंजाम देकर अपने गिरते मनोबल को ऊंचा करने के साथ-साथ कश्मीरी युवाओं को आतंकी संगठनों में शामिल करने की फिराक में हैं। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद धीरे-

धीरे प्रदेश प्रगति के पथ की ओर बढ़ रही है। अगर हम इस समय कश्मीर की बात करें तो इस बार पर्यटकों की संख्या पहले कुछ वर्षों के मुकाबले चार गुना बढ़ गई है। कश्मीर में अब हर होटल पूरी तरह से बुक हो रहे हैं। पर्यटन क्षेत्र से जुड़े कारोबारियों के चेहरे खिले हैं। देश-विदेश से लाखों की तादाद में पर्यटक कश्मीर घूमने आ रहे हैं। यहीं बात सीमा पार बैठे आकाओं को रास नहीं आ रही है। चूंकि कश्मीर में इस समय सक्रिय आतंकियों की संख्या 150 से भी कम होकर रह गई है और कश्मीर के युवा इस बात को अच्छी तरह से समझ चुके हैं कि आतंकवाद के रास्ते पर चलकर उन्हें तबाही से ज्यादा कुछ नहीं मिलेगा। आतंकी संगठनों में नई भर्ती भी अब नाममात्र होकर रह गई है। इसी वजह से बचेखुचे आतंकी अब टारगेट किलिंग को सहारा बनाकर लोगों में खौफ बनाने में जुटे हैं। टारगेट किलिंग एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके तहत आतंकी किसी एक व्यक्ति की पूर्ण गतिविधियों पर ध्यान रखकर उसके बारे में पूरी जानकारियां एकत्रित्त करते हैं और अंत में उसे मार देता है। इसमें आम जनता, मजदूर, पुलिस अधिकारी, स्कूल टीचर्स व कश्मीरी पंडित आदि की हत्या में शामिल हैं। टारगेट किलिंग का जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा एक बड़ा कारण यह बताया जा रहा है कि इस ऑपरेशन के पीछे आतंकवादी समूहों का हाथ है। राज्य पुलिस के अनुसार भारतीय सुरक्षा सेना बल की कड़ी निगरानी के कारण कई आतंकी जो सीमा पार से जम्मू कश्मीर में घुसने का प्रयास कर रहे हैं वो अपने प्रयासों में असफल सिद्ध हो रहे हैं जिसके कारण वे बौखला गए हैं और अपनी राह से भटके हुए स्थानीय युवकों को अपना हथियार बना रहे हैं। कहा जा राहा है कि ये आतंकी उन युवकों को बिना प्रशिक्षण के पिस्तौल मुहैया करवा देते है फिर उन्हें एक टारगेट और उसका पता दे देते हैं। जिसे उन युवकों को पूरा करना होता है। महत्वपूर्ण बात यह है की सभी टारगेट भीड़ वाले स्थानों पर दिए जाते हैं जिसकी वजह से कश्मीर की आम जनता में दहशत का माहौल बना हुआ है। अनुच्छेद 370 के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष अधिकार मिले हुए थे जिसमें जम्मू-कश्मीर का अलग झंडा और अलग संविधान था। रक्षा, विदेश और संचार के विषय छोड़कर सभी कानून बनाने के लिए राज्य की अनुमति जरुरी थी। जम्मू-कश्मीर के नागरिकों के पास दोहरी नागरिकता होती थी। दूसरे राज्यों के लोग जम्मू-कश्मीर में जमीन नहीं खरीद सकते थे। अनुच्छेद 370 जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देता था, लेकिन ये संविधान के ही उन मूल अधिकारों पर भी चोट करता था, जिसे संविधान निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर ने संविधान की आत्मा कहा था। 72 सालों तक जम्मू-कश्मीर और देश के बीच अनुच्छेद 370 की जो फांस थी, उसे अब इतिहास बना दिया गया और एक नए कश्मीर की कहानी जरूर लिख दी गई लेकिन अभी तक जम्मू-कश्मीर में बदलाव नजर नहीं आ रहा है।

ब्लॉगर

मोदी के भाषण पर विवाद फिजूल

- डॉ. वेदप्रताप वैदिक

लाल किले की प्रचारी से हर साल 15 अगस्त को प्रधानमंत्री जो भाषण देते हैं, उनसे देश में कोई विवाद पैदा नहीं होता। वे प्राय: विगत वर्ष में अपनी सरकार द्वारा किए गए लोक-कल्याणकारी कामों का विवरण पेश करते हैं और अपनी भावी योजनाओं का नक्शा पेश करते हैं। इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण के लगभग एक घंटे के हिस्से पर किसी विरोधी ने कोई अच्छी या बुरी टिप्पणी नहीं की लेकिन सिर्फ दो बातें को लेकर विपक्ष ने उन पर गोले बरसाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कांग्रेस के नेताओं को बड़ा एतराज इस बात पर हुआ कि मोदी ने महात्मा गांधी, नेहरू और पटेल के साथ-साथ इस मौके पर वीर सावरकर और श्यामाप्रसाद मुखर्जी का नाम क्यों ले लिया? चंद्रशेखर, भगत सिंह, बिस्मिल आदि के नाम भी मोदी ने लिए और स्वातंत्र्य-संग्राम में उनके योगदान को प्रणाम किया। क्या इससे नेहरू जी की अवमानना हुई है? कतई नहीं। फिर भी सोनिया गांधी ने एक गोल-मोल बयान जारी करके मोदी की निंदा की है। कुछ अन्य कांग्रेस नेताओं ने सावरकर को पाकिस्तान का जनक बताया है। उन्हें द्विराष्ट्रवाद का पिता कहा है। इन पढ़े-लिखे हुए नेताओं से मेरा विनम्र अनुरोध है कि वे सावरकर के लिखे ग्रंथों को एक बार फिर ध्यान से पढ़ें। पहली बात तो यह है कि सावरकर और उनके भाई ने जो कुर्बानियां की हैं और अंग्रेजी राज के विरुद्ध जो साहस दिखाया है, वह कितना अनुपम है। इसके अलावा अब से लगभग 40 साल पहले राष्ट्रीय अभिलेखागार से अंग्रेजों के गोपनीय

दस्तावेजों को खंगालता सावरकर पर लेखमाला लिखते समय मुझे पता चला कि अब के कांग्रेसियों ने उन पर अंग्रेजों से समझौते करने के निराधार आरोप लगा रखे हैं। यदि सावरकर इतने ही अछूत हैं तो तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने मुंबई में बने उनके स्मारक के लिए अपनी निजी राशि से दान क्यों दिया था? हमारे स्वातंत्र्य-संग्राम में हमें क्रांतिकारियों, गांधीवादियों, मुसलमान नेताओं यहां तक कि मोहम्मद अली जिन्ना के योगदान का भी स्मरण क्यों नहीं करना चाहिए? विभाजन के समय उनसे मतभेद हो गए, यह अलग बात है। कर्नाटक के भाजपाइयों ने नेहरू को भारत-विभाजन का जिम्मेदार बताया, यह बिल्कुल गलत है। मोदी की दूसरी बात परिवारवाद को लेकर थी। उस पर कांग्रेस नेता फिजूल भन्नाए हुए हैं। वे अब कुछ भाजपा मंत्रियों और सांसदों के बेटों के नाम उछालकर मोदी के परिवारवाद के आरोप का जवाब दे रहे हैं। वे बड़ी बुराई का जवाब छोटी बुराई से दे रहे हैं।

बेहतर तो यह हो कि भारतीय राजनीति से 'बाप कमाई' की प्रवृत्ति को निर्मूल करने का प्रयत्न किया जाए। विपक्ष को मोदी की आलोचना का पूरा अधिकार है लेकिन वह सिर्फ आलोचना करे और मोदी द्वारा कही गई रचनात्मक बातों की उपेक्षा करे तो जनता में उसकी छवि कैसी बनेगी? ऐसी बनेगी कि जैसे खिसियानी बिल्ली खंभा नोचती है। विपक्ष में बुद्धि और हिम्मत होती तो भाजपा के इस कदम की वह कड़ी भर्त्सना करता कि उसने 14 अगस्त (पाकिस्तान के स्वाधीनता दिवस) को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के तौर पर मनाया। अब तो जरूरी यह है कि भारत और पाकिस्तान ही नहीं, दक्षिण और मध्य एशिया के 16-17 देश मिलकर 'आर्यावर्त' के महान गौरव को फिर लौटाएं।

(लेखक, भारतीय विदेश नीति परिषद के अध्यक्ष हैं)

भुगतान प्रक्रिया में प्रस्तावित बदलावों पर आरबीआई का नया कदम, लोगों से मांगे सुझाव

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने भुगतान प्रक्रिया में प्रस्तावित बदलावों पर आम लोगों की राय मांगी है। इन बदलावों में यूपीआई के जरिए भुगतान करने करने पर चार्ज वसूले जाने का प्रस्तावित बदलाव भी शामिल है। बता दें कि आरबीआई ने डेवलपमेंट एंड रेगुलेटरी पॉलिसी के तहत बीते वर्ष 8 दिसंबर को एक डिस्कशन पेपर रिलीज किया था जिनमें भुगतान प्रक्रियाओं पर चार्जेज वसूले जाने की बात

कही गई थी। इस डिस्कशन पेपर को 17 अगस्त को रिलीज किया गया है। इसी पर आरबीआई ने आम लोगों से सुझाव मांगे हैं। आरबीआई ने कहा है कि लोगों को अपना सुझाव तीन अक्टूबर 2022 तक ईमेल के माध्यम से देना है।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का एक ही चार्जिंग पोर्ट लाने की तैयारी, विशेषज्ञ समूहों का गठन करेगी सरकार

नई दिल्ली। मोबाइल, टैबलेट जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए अलग-अलग चार्जर का उपयोग करने वालों के लिए अच्छी खबर है। दरअसल पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए एक ही चार्जिंग पोर्ट का अध्ययन करने के लिए सरकार विशेषज्ञ समूहों का गठन करेगी। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि सरकार मोबाइल, टैबलेट जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए एक ही चार्जर की संभावना तलाशने को लेकर विशेषज्ञ समूहों का गठन करेगी। ये समूह दो महीनों में अपनी विस्तृत रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा। उन्होंने उद्योगों से जुड़े पक्षों के साथ बैठक के बाद कहा कि भारत शुरुआत में दो प्रकार के चार्जर अपनाने पर विचार कर सकता है, जिसमें सी प्रकार का चार्जर भी शामिल है। रोहित कुमार ने कहा कि यह जटिल मुद्दा है। देश चार्जर के निर्माण की स्थिति में है। हमें अंतिम निर्णय लेने से पहले उद्योग, उपयोगकर्ताओं, विनिर्माताओं समेत सभी के दृष्टिकोण को समझना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पक्ष का अलग-अलग नजरिया है जिसे जानने के लिए विशेषज्ञ समूहों का गठन किया जाएगा। सिंह ने कहा कि मोबाइल, फीचर फोन, लैपटॉप और आइपैड तथा पहने जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में इस्तेमाल होने वाले चार्जिंग पोर्ट का अध्ययन करने के लिए अलग-अलग विशेषज्ञ समूह बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन समूहों को इस महीने अधिसूचित किया जाएगा, जो दो महीने में अपनी सिफारिशें सौंपेंगे।

गौतम अडाणी सिंगापुर में 26-27 सितंबर को फोर्ब्स ग्लोबल सीईओ सम्मेलन को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली। अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी सिंगापुर में 26-27 सितंबर को आयोजित फोर्ब्स ग्लोबल सीईओ सम्मेलन को दूसरे दिन संबोधित करेंगे।

इस कार्यक्रम में सिंगापुर के उप-प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री लॉरेंस वोंग भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। फोर्ब्स मीडिया ने जारी बयान में कहा कि 20वें फोर्ब्स ग्लोबल सीईओ सम्मेलन में करीब 400 प्रमुख सीईओ, उद्यमियों और निवेशकों को बुलाए जाने की उम्मीद है। इस कार्यक्रम के लिए करीब 40 वक्ताओं ने अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। गौतम अडाणी सम्मेलन के दूसरे दिन अपना भाषण देंगे। फोर्ब्स के मुताबिक इस सम्मेलन के उद्घाटन के दिन वोंग और फोर्ब्स मीडिया के चेयरमैन और प्रधान संपादक स्टीव फोर्ब्स के बीच आमने-सामने बातचीत होगी। इसके अलावा अन्य वक्ताओं में जनरल अटलांटिक के वाइस चेयरमैन अजय बंगा, बायजू के संस्थापक और सीईओ बायजू रवींद्रन और सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला शामिल हैं।

शहरों में बेरोजगारी एक साल के उच्च स्तर पर, अगस्त के 15 दिनों में गांवों में 7.18 फीसदी

नई दिल्ली। शहरी इलाकों में इस महीने के पहले 15 दिनों में बेरोजगारी की दर 9.35 फीसदी पर पहुंच गई है। यह अगस्त, 2021 के बाद सबसे ज्यादा है। उस समय बेरोजगारी दर 9.78 फीसदी थी। इस महीने गांवों में बेरोजगारी दर 7.18 फीसदी रही है। हालांकि यह जून में 8.03 फीसदी और जुलाई में 6.14 फीसदी पर थी।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनमी के हालिया आंकड़ों के अनुसार, अगस्त, 2021 में देश में बेरोजगारी की दर 8.32 फीसदी थी और उसके बाद इस साल फरवरी में यह फिर से एक बार आठ फीसदी के पार पहुंच गई थी। उस समय गांवों में भी एक साल में बेरोजगारी दर आठ फीसदी के पार सर्वोच्च स्तर पर थी। पिछले एक साल में पूरे देश में सबसे कम बेरोजगारी दर इस साल जनवरी में थी।

25 जुलाई के बाद से शहरों में आठ फीसदी से ऊपर दर- इस साल 25 जुलाई के बाद से शहरी इलाकों में हर दिन 8 फीसदी के ऊपर ही बेरोजगारी दर रही है। पिछले 21 दिनों में इसमें किसी भी दिन कमी नहीं आई है। 16 अगस्त को यह 9.44त्न पर चली गई।

गांवों में 27 जुलाई के बाद से बेरोजगारी की दर 6 फीसदी से ज्यादा रही है। पूरे देश में यह 24 जुलाई से लगातार बढ़ी है। केवल एक अगस्त को इसमें मामूली कमी आई थी।

नरेगा के तहत रोजगार में 47 फीसदी की गिरावट

मनरेगा के रोजगार में जुलाई की तुलना में अगस्त में 47 फीसदी की गिरावट आई है। आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई में कुल कामगारों की संख्या 22.2 करोड़ प्रतिदिन रही, जो जून में 42.2 करोड़ प्रतिदिन थी।

अनाज का होगा रिकॉर्ड उत्पादन पर घट सकती है गेहूं की पैदावार, दलहन-तिलहन में होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। देश में 2021-22 के फसल वर्ष के दौरान रिकॉर्ड 31.5 करोड़ टन अनाज उत्पादन की उम्मीद है। हालांकि, इस दौरान गेहूं की पैदावार करीब तीन फीसदी घटकर 10.6 करोड़ टन रह सकती है।

लू की वजह से उत्तरी भारत जैसे पंजाब और हरियाणा में गेहूं की फसलों पर बुरा असर हुआ है। कृषि मंत्रालय ने 2021-22 के लिए अपने चौथे अग्रिम अनुमान में कहा कि चावल, मक्का, दलहन, चना, सरसों, तिलहन और गन्ने का रिकॉर्ड उत्पादन होने की उम्मीद है। 2021-22 का फसल वर्ष जुलाई, 2021 से जून, 2022 के बीच है।

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा, 2020-21 के दौरान देश में अनाज का उत्पादन 31.07 करोड़ टन हुआ था। आंकड़ों के मुताबिक, गेहूं का उत्पादन 2020-21 में 10.9 करोड़ टन हुआ था। चावल का उत्पादन 2021-22 के दौरान 13.02 करोड़ टन होने का अनुमान जताया गया है। उसके पहले के साल में यह 12.4 करोड़ टन था।

दलहन-तिलहन में बढ़ोतरी

मंत्रालय ने कहा, दालों का उत्पादन 2.76 करोड़ टन रह सकता है जो एक साल पहले 2.54 करोड़ टन था। गैर खाद्यान में तिलहन का उत्पादन 3.59 करोड़ टन से बढ़कर 3.76 करोड़ टन हो सकता है। सरसो का उत्पादन 1.77 करोड़ टन जबकि गन्ने का उत्पादन 43 करोड़ टन रहने की उम्मीद है। एक साल पहले गन्ना का उत्पादन 40.05 करोड़ टन था।

कपास का उत्पादन घटेगा

मंत्रालय ने कहा, कपास का उत्पादन 3.5 करोड़ गांठ से घटकर 3.1 करोड़ गांठ रहने का अनुमान है। एक गांठ में 170 किलो वजन होता है। जूट की पैदावार 1.31 करोड़ गांठ रहने की उम्मीद है जो एक साल पहले 93 लाख गांठ थी। इसमें एक गांठ में 180 किलो होता है।

डीजीसीए ने कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच एयरलाइंस को जारी किया निर्देश

नई दिल्ली। वैश्विक महामारी कोरोना के मामलों में एक बार फिर तेजी आई है। देश की राजधानी दिल्ली और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में कोरोना के मामले में इजाफा देखने को मिल रहा है। ऐसे में नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइंस कपनियों को निर्देश जारी किया है।

विमानन नियामक डीजीसीए ने देश में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए एक बार फिर मास्क को पहनना अनिवार्य कर दिया है। डीजीसीए ने एयरलाइंस कंपनियों को उड़ान के दौरान मास्क नहीं पहनने वाले यात्रियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। दरअसल, देश के कई शहरों में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए नागर विमानन महानिदेशालय ने ये निर्देश जारी किया है।

डीजीसीए ने जारी निर्देश में एयरलाइनों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी है कि यात्रा के दौरान विमान में यात्री ठीक से फेस मास्क पहने हुए हैं या नहीं। इसे विमानन कंपनियां उड़ान से पहले संवेदनशीलता के साथ सुनिश्चित करें। यदि कोई यात्री इन निर्देशों का पालन नहीं करता है, तो एयरलाइन कंपनियां यात्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

क्रिप्टो करेंसी बाजार में फिर आई कमजोरी, बिटकॉइन 24,000 डॉलर से नीचे लुढ़का

नई दिल्ली। क्रिप्टो करेंसी मार्केट में एक बार फिर गिरावट का रुख दिखने लगा है। पिछले चार दिन की मजबूती के बाद पिछले 24 घंटे के दौरान दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन और दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी तथा इथेरियम ब्लॉकचेन से जुड़ी ईथर में कमजोरी दर्ज की गई है। इस कमजोरी के कारण बिटकॉइन 24,000 डॉलर के स्तर से नीचे लुढ़क गया है। ईथर भी 2,000 डॉलर के स्तर पर नहीं टिक सका है। पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान भारतीय समय के मुताबिक आज शाम 3 बजे बिटकॉइन 1 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,988 डॉलर के स्तर पर कारोबार कर रहा था। ईथर 2,000 डॉलर के स्तर से नीचे गिर कर 1,892 डॉलर के स्तर पर आ गया है। इसके पहले शनिवार को ईथर ने लंबी छलांग लगाकर 2,000 डॉलर के स्तर को पार करने में सफलता पाई थी।

मुनाफावसूली के दबाव में शेयर बाजार में कमजोरी का रुख

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों से लगातार जारी तेजी के बाद आज घरेलू शेयर बाजार में नरमी का माहौल बना हुआ है। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे हैं। मुनाफावसूली के चक्कर में हो रही बिकवाली के कारण बाजार में कारोबार की शुरुआत से ही गिरावट का रुख बना हुआ है।

आज के शुरुआती कारोबार में आईटी, फार्मास्यूटिकल, ऑयल एंड गैस, हेल्थ केयर और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार दबाव बना हुआ है। शेयर बाजार के दिग्गज शेयरों में से एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा कंस्ट्रक्शन, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस के शेयरों में लिवाली के सपोर्ट से तेजी का रुख बना हुआ है। दूसरी ओर डॉ. रेड्डीज लेबोरेट्रीज, ओएनजीसी, सन फार्मास्यूटिकल्स, विप्रो और सिप्ला के शेयरों में बिकवाली के दबाव की वजह से गिरावट का रुख बना हुआ था।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के सेंसेक्स में आज 179.94 अंक की गिरावट के साथ 60,080.19 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही कारोबार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण थोड़ी ही देर में सेंसेक्स 291 अंक की कमजोरी के साथ 59,969.08 अंक के स्तर तक लुढ़क गया। इसके बाद खरीदारों ने बाजार को संभालने के लिए तेजी से लिवाली की शुरुआत की।

इस लिवाली के सपोर्ट से 10 बजे के थोड़ी देर बाद सेंसेक्स निचले स्तर से रिकवरी करके 27 अंक की बढ़ोतरी के साथ 60,287.13 अंक तक पहुंच गया। लेकिन इसके बाद एक बार फिर बाजार में बिकवाली का

दबाव करने के कारण सेंसेक्स में गिरावट आने लगी। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच शुरुआती 2 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 11:15 बजे सेंसेक्स 134.46 अंक की कमजोरी के साथ 60,125.67 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी आज 45.60 अंक की गिरावट के साथ 17,898.65 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही निफ्टी में भी बाजार में जारी तेज बिकवाली के कारण गिरावट का रुख बना। थोड़ी ही देर में ये सूचकांक लुढ़क कर 17,863.45 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही बाजार को संभालने के लिए घरेलू संस्थागत निवेशकों ने तेज खरीदारी की शुरुआत कर दी, जिससे निफ्टी की चाल में भी तेजी आने लगी।

खरीदारी के इस सपोर्ट से सुबह 10 बजे के करीब निफ्टी ने निचले स्तर से रिकवरी करके 10.40 अंक की तेजी के साथ 17,954.65 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफलता हासिल कर ली। लेकिन इसके बाद एक बार फिर बिकवाली के दबाव की वजह से निफ्टी में गिरावट का रुख बन गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 2 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 11:15 बजे निफ्टी 39.80 अंक की कमजोरी के साथ 17,904.45 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण प्री ओपनिंग सेशन में भी आज घरेलू शेयर बाजार ने कमजोरी के साथ ही कारोबार की शुरुआत की थी। इस सेशन में बीएसई का सेंसेक्स 181.17 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60,078.96 अंक के स्तर पर था। वहीं निफ्टी प्री ओपनिंग सेशन में 45.60 अंक यानी 0.25 प्रतिशत टूटकर 17,898 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन यानी सेंसेक्स 417.92 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की मजबूती के साथ 60,260.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 119 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,944.25 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

कैट ने एमसीडी के विभिन्न करों में वृद्धि पर अमित शाह से किया हस्तक्षेप का आग्रह

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की मनमानी और तानाशाही रवैये से क्षुब्ध होकर कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भेजा है।

व्यापारियों को हो रही भारी आर्थिक नुकसान से तंग आकर कैट ने अमित शाह को एक पत्र लिखा है। कारोबारी संगठन ने गृहमंत्री को भेजे एक पत्र में उनसे दिल्ली के व्यापारियों पर संपत्ति कर, पार्किंग एवं कन्वर्शन चार्जेज, व्यापार लाइसेंस शुल्क और सफाई कर की दरों में मनमानी, तर्कहीन तथा अनुचित बढ़ोतरी के मुद्दे पर सीधे हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। कैट का कहना है कि एमसीडी के मनमानी से दिल्ली में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन करना काफी मुश्किल हो गया है।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि नियमित तौर पर व्यापार को किसी न किसी बहाने से अधिक राजस्व प्राप्त करने का जरिया बनाया जा रहा है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो दिल्ली के व्यापारी अपनी व्यावसायिक गतिविधियों को यूपी और हरियाणा के आसपास के इलाकों में शिफ्ट करने को मजबूर हो जाएंगे। कारोबारी संगठन ने कैट ने इस पत्र की एक प्रति केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी को भी भेजा है।

कारोबारी संगठन कैट ने कहा कि जिसने हमेशा कई मुद्दों पर केंद्र सरकार का पक्ष लिया है और केंद्र सरकार ने भी कैट के उठाए गए अनेक मुद्दों का समय-समय पर समाधान भी किया है। ऐसे में अब एमसीडी के विभिन्न अनुचित शुल्कों पर आवाज उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

गृहमंत्री अमित शाह को भेजे अपने पत्र में खंडेलवाल ने कहा है कि दिल्ली नगर निगम ने संपत्ति कर, व्यापार लाइसेंस शुल्क और कन्वर्शन और पार्किंग शुल्क में अभूतपूर्व वृद्धि की है, जिससे व्यापारियों पर भारी वित्तीय बोझ पड़ा है। इसके अलावा एमसीडी ने अनुचित सफाई कर लगा कर व्यापारियों को बड़ी संख्या में नोटिस भी जारी किए हैं जिनका कोई औचित्य ही नहीं है। एमसीडी ने किसी भी व्यापारिक संगठन से इस मुद्दे पर कोई परामर्श नही किया है।

कैट के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष विपिन आहूजा एवं प्रदेश महामंत्री देव राज बवेज़ा ने कहा कि दिल्ली के व्यापारियों से पार्किंग और कन्वर्जन चार्ज के रूप में हजारों करोड़ रुपये लेने वाली एमसीडी ने केंद्र सरकार के उन नियमों की धज्जियां उड़ाई हैं, जिनके तहत उक्त कर संग्रह को एक एस्क्रौ एकाउंट में जमा किया जाना था और इस राशि को संबंधित व्यापार संघ के परामर्श से इन बाजारों में पार्किंग और अन्य बुनियादी ढांचे के विकास के लिए उपयोग किया जाना था।

युवाओं के निवेश से भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग का तेजी हो रहा ग्रोथ

देहरादून। कोटक एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के मनीष मेहता ने कहा कि युवा पीढ़ी के निवेशकों ने म्यूचुअल फंड के क्षेत्र में एसआईपी जैसे निवेश के नए साधनों में काफी दिलचस्पी दिखाई है। इसी का असर है कि पिछले कुछ सालों में भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग का बड़ी तेजी से विकास हुआ है।

शहर के एक होटल में नैशनल हेड सेल्स, मार्केटिंग एवं डिजिटल बिजनेस कोटक एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के मनीष मेहता ने पत्रकार सम्मेलन में यह बात कही। इस दौरान कहा कि युवाओं के निवेश में बढ़ते विशेष रुची से भारतीय बाजार में ग्रोथ की संभावनाएं तेजी से बढने लगी है।

जो निवेशकों के साथ बाजार के लिए अच्छा संकेत है। उन्होंने बताया कि म्यूचुअल फंड (केएमएफ) के लिए वित्त वर्ष बेहद उत्साहजनक रहा है। अपने उत्पादों पर विशेष ध्यान देने की हमारी रणनीति ने वितरण नेटवर्क में अपने दायरे का विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मनीष मेहता ने बताया कि कोटक म्यूचुअल फंड में हम एसआईपी का सक्रियतापूर्वक प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। उतार-चढ़ाव के दौर में भी एसआईपी ने नियमित और अनुशासित निवेशकों के निवेश को संतुलित बनाए रखा है। निवेशक हमारी मौजूदा योजनाओं में से किसी एक को चुन सकते हैं और एसआईपी के जरिए निवेश शुरू कर सकते हैं। देहरादून सबसे बड़ा बाजार है और यह उत्तराखंड के कुल एयूएम के 80 फीसदी से अधिक का योगदान देता है। उत्तराखंड में इक्विटी निवेश कुल एयूएम का लगभग 81 फीसदी योगदान देता है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में 700 पैनलबद्ध म्यूचुअल फंड वितरक मौजूद हैं। वर्तमान में कोटक म्यूचुअल फंड उत्तराखंड के अंदर देहरादून, हरिद्वार व हल्द्वानी तीन स्थानों पर मौजूद है।

मनीष मेहता ने बताया कि कंपनी ने परिसंपत्ति की सभी श्रेणियों में एसेट अंडर मैनेजमेंट में वृद्धि दर्ज की है। वर्तमान में, कोटक म्यूचुअल फंड में एसआईपी खातों की संख्या 27 लाख से अधिक जून 2022 तक है। जिसके माध्यम से निवेशक इसकी म्यूचुअल फंड योजनाओं में नियमित रूप से निवेश करते हैं। कोटक म्यूचुअल फंड के निवेशकों के बीच कोटक फ्लेक्सीकैप फंड, कोटक ब्लूचिप, कोटक इमर्जिंग इक्विटी और कोटक इक्विटी अपॉर्चुनिटीज जैसे उत्पाद हैं।

दुनियाभर में इस्तेमाल होने वाले करीब 60 फीसदी टीके भारतीय : सीतारमण

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की मनमानी और तानाशाही रवैये से क्षुब्ध होकर कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भेजा है।

व्यापारियों को हो रही भारी आर्थिक नुकसान से तंग आकर कैट ने अमित शाह को एक पत्र लिखा है। कारोबारी संगठन ने गृहमंत्री को भेजे एक पत्र में उनसे दिल्ली के व्यापारियों पर संपत्ति कर, पार्किंग एवं कन्वर्शन चार्जेज, व्यापार लाइसेंस शुल्क और सफाई कर की दरों में मनमानी, तर्कहीन तथा अनुचित बढ़ोतरी के मुद्दे पर सीधे हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। कैट का कहना है कि एमसीडी के मनमानी से दिल्ली में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन करना काफी मुश्किल हो गया है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि नियमित तौर पर व्यापार को किसी न किसी बहाने से अधिक राजस्व प्राप्त करने का जरिया बनाया जा रहा है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो दिल्ली के व्यापारी अपनी व्यावसायिक गतिविधियों को यूपी और हरियाणा के आसपास के इलाकों में शिफ्ट करने को मजबूर हो जाएंगे। कारोबारी संगठन ने कैट ने इस पत्र की एक प्रति केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी को भी भेजा है।

कारोबारी संगठन कैट ने कहा कि जिसने हमेशा कई मुद्दों पर केंद्र सरकार का पक्ष लिया है और केंद्र सरकार ने भी कैट के उठाए

गए अनेक मुद्दों का समय-समय पर समाधान भी किया है। ऐसे में अब एमसीडी के विभिन्न अनुचित शुल्कों पर आवाज उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

गृहमंत्री अमित शाह को भेजे अपने पत्र में खंडेलवाल ने कहा है कि दिल्ली नगर निगम ने संपत्ति कर, व्यापार लाइसेंस शुल्क और कन्वर्शन और पार्किंग शुल्क में अभूतपूर्व वृद्धि की है, जिससे व्यापारियों पर भारी वित्तीय बोझ पड़ा है। इसके अलावा एमसीडी ने अनुचित सफाई कर लगा कर व्यापारियों को बड़ी संख्या में नोटिस भी जारी किए हैं जिनका कोई औचित्य ही नहीं है। एमसीडी ने किसी भी व्यापारिक संगठन से इस मुद्दे पर कोई परामर्श नही किया है। कैट के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष विपिन आहूजा एवं प्रदेश महामंत्री देव राज बवेज़ा ने कहा कि दिल्ली के व्यापारियों से पार्किंग और कन्वर्जन चार्ज के रूप में हजारों करोड़ रुपये लेने वाली एमसीडी ने केंद्र सरकार के उन नियमों की धज्जियां उड़ाई हैं, जिनके तहत उक्त कर संग्रह को एक एस्क्रौ एकाउंट में जमा किया जाना था और इस राशि को संबंधित व्यापार संघ के परामर्श से इन बाजारों में पार्किंग और अन्य बुनियादी ढांचे के विकास के लिए उपयोग किया जाना था।

पहले वनडे में टीम इंडिया को मिली बड़ी जीत

जिंबाब्वे को 10 विकेट से हराया, प्लेयर ऑफ द मैच दीपक चाहर

हरारे (एजेंसी)।

भारतीय टीम ने यहां मेजबान जिम्बाब्वे को पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में दस विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए मेजबान जिम्बाब्वे को 40.3 ओवर में 189 रनों पर ही आउट कर दिया। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को 30.5 ओवर में 192 रन बनाकर अपने नाम कर लिया। भारत की ओर से शुभमन गिल 82 और शिखर धवन 82 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले रेजिस चकाब्वा और रिचर्ड नगारवा की अच्छी बल्लेबाजी की बदौलत जिम्बाब्वे ने यहां भारत को पहले एकदिवसीय क्रिकेट मैच में जीत के लिए 190 रनों का लक्ष्य दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर जिम्बाब्वे को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। मेजबान टीम जिम्बाब्वे 40.3 ओवर में ही 189 रन बनाकर आउट हो गयी। कप्तान चकाब्वा ने 35 और रिचर्ड नगारवा 34 ने सबसे ज्यादा रन बनाए। वहीं भारत की ओर से दीपक चाहर, प्रसिद्ध कृष्णा और अक्षर पटेल ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि मोहम्मद सिराज को एक विकेट मिला। ऑलराउंडर दीपक चाहर को वापसी पर शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच का इनाम मिला।

पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 10.1 ओवर में ही 31 रन पर चार विकेट खो दिए। इस दौरान, इनोसेंट काइआ 4, तदिवानाशे मारुमानी 8, सीन विलियम्स 5, वेसले मधेवेरे 1 और सिंकदर रजा 12 जल्द ही पवेलियन लौट गए। जिम्बाब्वे की आधी टीम केवल 66 रनों पर ही आउट हो गयी।

इसके बाद कृष्णा की गेंद पर रयान बर्ल 11 रन बनाकर आउट हुए। चकाब्वा ने पारी संभालने का अपनी ओर से प्रयास किया पर वह सफल नहीं हो पाये। चकाब्वा 26.3 ओवर में अक्षर की गेंद पर चकाब्वा बोल्ड हो गए। इसके बाद, अक्षर ने ल्यूक जोंगवे को 13 रनों पर पेवेलियन भेज दिया। ब्रैड इवांस और रिचर्ड नगारवा ने अंत में अच्छी साझेदारी कर किया 65 गेंदों में 70 रन बनाये। कृष्णा ने रिचर्ड नगारवा 34 को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। वहीं अगले ओवर में अक्षर ने विक्टर न्याउची को 8 रनों पर आउट कर मेजबान टीम की पारी समेट दी।

राफेल नडाल की छह सप्ताह बाद कोर्ट पर वापसी, मिली हार

मैसन (अमरीका) (एजेंसी)।

राफेल नडाल की छह सप्ताह बाद कोर्ट पर वापसी यादगार नहीं रही और उन्हें यहां वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस टूर्नामेंट में बोर्ना कोरिच से तीन सेट तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। कोरिच ने इस स्पेनिश स्टार को 7-6 (9), 4-6, 6-3 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

पुरुषों में रिकॉर्ड 22 ग्रैंडस्लैम चैंपियनशिप जीतने वाले नडाल छह जुलाई के बाद पहली बार कोर्ट पर उतरे थे। वह यूएस ओपन से पहले तैयारियों के लिए इस टूर्नामेंट में खेल रहे थे। यहां दूसरी वरीयता प्राप्त और विश्व रैंकिंग में तीसरे नंबर के खिलाड़ी 36 वर्षीय नडाल हालांकि पूरी तरह से फिट नजर आए। यह मैच दो घंटे और 51 मिनट तक चला और इस बीच नडाल को फिटनेस से संबंधित कोई परेशानी नहीं हुई।

इस बीच तीन बार के ग्रैंड स्लैम विजेता एंडी मर्रे को हार का सामना करना पड़ा। उन्हें ब्रिटेन के ही कैमरन नोरी ने 3-6, 6-3, 6-4 से हराया। इसके अलावा टेलर फ्रिट्ज ने विंबलडन फाइनलिस्ट निक किर्गियोस को 6-3, 6-2 से हराया जबकि 19 वर्षीय बेन शेल्टन ने पांचवीं रैंकिंग के खिलाड़ी कैस्पर रूड को उलटफेर का शिकार बनाया।

विजेंदर ने सुले को हराकर 'द जंगल रंबल' मुकाबला जीता

रायपुर (एजेंसी)।

भारत के स्टार पेशेवर मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने यहां हुए मुक्केबाजी मुकाबले 'द जंगल रंबल' में घाना के मुक्केबाज एलियासु सुले को दूसरे ही दौर में हरा दिया। इस के साथ ही विजेंदर ने 19 महीने बाद रिंग में जीत के साथ वापसी की है। घाना के मुक्केबाज सुले के पास विजेंदर के करारे पंच का कोई जवाब नहीं था। अब तक अपने पेशेवर करियर में विजेंदर ने 15 मुकाबले खेले हैं जिसमें से उन्हें एक ही बार रुस के अर्तीश लोप्सन से हार का सामना करना पड़ा है। बाकि के सभी मुकाबले इस भारतीय मुक्केबाज ने आसानी से जीते हैं।

विजेंदर ने पेशेवर मुक्केबाजी में उतरने से पहले ओलंपिक और विश्व चैम्पयनशिप में कांस्य पदक भी जीता था। वहीं राष्ट्रमण्डल खेलों में उनके नाम एक रजत और दो कांस्य पदक हैं। एशियाई खेलों की बात करें तो उसमें भी उन्होंने एक कांस्य और एक स्वर्ण जीता है।

एकदिवसीय क्रिकेट को खतरे जैसी बातें आधारहीन हैं : रोहित

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दुनिया भर के दिग्गज खिलाड़ियों का जहां मानना है कि टी20 लीग के बढ़ते प्रचलन से टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट को खतरा पैदा हो गया है और ऐसे में समय के साथ ही एकदिवयीय क्रिकेट समाप्त हो जाएगा। इन पूर्व खिलाड़ियों का तर्क है कि टी20 लीग के व्यस्त कार्यक्रम से खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कर्तव्य और लीग क्रिकेट के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो रहा है। इसी के कारण अब खिलाड़ी एकदिवसीय से संन्यास लेने लगे हैं। इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी बेन स्टोक्स के साथ भी ऐसा ही हुआ, उन्होंने एकदिवसीय करियर से हाल ही में संन्यास लेते हुए कहा था कि वह तीनो प्रारुपों में एकसाथ नहीं खेल सकते हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने भी टी20 लीग के लिए केन्द्रीय अनुबंध तक छोड़ दिया है। वहीं भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा इससे सहमत नहीं हैं। रोहित ने कहा कि यह बेकार की बहस है। टी20 लीग बढ़ने से यह नहीं कहा जा सकता कि एकदिवसीय समाप्त हो जाएगा। दोनो ही अपनी-अपनी जगह पर हैं।

एक कार्यक्रम के दौरान रोहित ने कहा कि उन्होंने एकदिवसीय मैचों से ही अपना नाम बनाया और इस प्रारूप के लिए खतरे के बारे में आ रही सभी बातें आधारहीन हैं। पहले लोग पहले टेस्ट क्रिकेट पर खतरे की बातें कर रहे थे पर ऐसा कुछ नहीं हुआ। अब एकदिवसीय को लेकर बातें हो रही हैं।

उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए क्रिकेट अहम है फिर चाहे किसी भी प्रारुप में हो। मैं यह कभी नहीं कहूंगा कि एकदिवसीय खत्म हो रहा है या टी20 खत्म हो रहा है या टेस्ट खत्म होने वाले हैं। काश एक और प्रारूप भी होता, क्योंकि मेरे लिए क्रिकेट खेलना सबसे अहम है। बचपन से ही हमने भारत के लिए खेल खेलने का सपना देखा था और जब भी हम एकदिवसीय मैच खेलते हैं तो स्टेडियम खचाखच भर जाते हैं, उत्साह बना रहता है। यह व्यक्तिगत पसंद है कि किस प्रारूप में खेलना है या नहीं, लेकिन मेरे लिए तीनों प्रारूप महत्वपूर्ण हैं।

रोहित के लिए देश के लिए खेलना सबसे ज्यादा अहम है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि लोग अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लीग खेलने के बारे में क्या सोच रहे हैं। टी10 भी अब आई है। ऐसे में आने वाले वर्षों में हमें पता चलेगा कि खिलाड़ी क्या पसंद करते हैं हालांकि अभी तक भारतीय क्रिकेट की स्थिति पहले की तरह ही बनी हुई है। हम आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं। लोगों को अनुभव मिल रहा है और हमारा उद्देश्य बेंच स्ट्रेंथ बनाना है। इसलिए लगातार युवाओं को अवसर दिये जा रहे हैं।

अंडर-20 चैंपियनशिप में भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन, जीते सात पदक

सोफिया (बुल्गारिया)। भारतीय फ्रीस्टाइल कुश्ती टीम ने विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए एक रजत और छह कांस्य सहित सात पदक हासिल किए। भारत 112 अंकों के साथ फ्रीस्टाइल टीम रैंकिंग में तीसरे स्थान पर रहा, जबकि ईरान (159) और अमेरिका (132) ने पहला और दूसरा स्थान प्राप्त किया। यह जूनियर चैंपियनशिप में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 2021 में भारत 101 पॉइंट के साथ पांचवें स्थान पर रहा था। भारत का एकलौता रजत पदक महेंद्र गायकवाड ने जीता। महेंद्र शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक पहुंचे, जहां ईरान के आमिरेज़ा फ़रदीन मासूमी ने उन्हें तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 13-2 से मात दी। जूनियर एशियाई चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट गायकवाड ने क्वार्टरफाइनल में तुर्की के आदिल मिसिरसी को 6-4 से मात दी थी, जबकि सेमीफाइनल में उन्होंने उज़्बेकिस्तान के नामोज़ अब्दुराशिदोव को 6-0 से हराया था। इसके अलावा मोहित कुमार (61 किग्रा) और सागर जगलान (74 किग्रा) ने भी बुधवार को कांस्य पदक जीते।

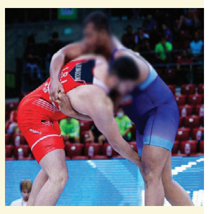

धनश्री के इंस्टाग्राम से 'चहल' सरनेम हटाने से प्रशंसक हैरान

नई दिल्ली । टीम इंडिया के स्पिन युजवेंद्र चहल की पत्नी धनश्री सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती है। अब धनश्री ने इंस्टाग्राम पर अपना सरनेम तक बदल दिया है। इसके साथ ही चहल ने अपनी इंस्टा स्टोरी में कुछ ऐसा लिख दिया है, जिससे प्रशंसक अलग-अलग अंदाजे लगा रहे हैं। धनश्री के सरनेम बदलने के बाद चहल ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में एक चाय या कॉफी का कप रखा नजर आ रहा है। स्पिनर ने इस तस्वीर के साथ कोई खास बात नहीं लिखी। ऐसे में प्रशंसको को हैरानी हुई है। कुछ प्रशंसक अंदाजा लगा रहे हैं कि चहल और धनश्री माता-पिता बनने वाले हैं , वहीं कुछ प्रशंसकों को लगता है कि कपल के बीच में सबकुछ ठीक नहीं है, क्योंकि धनश्री ने चहल सरनेम हटा दिया है। चहल और धनश्री दोनों ही सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं। धनश्री एक पेशेवर डांसर हैं और इंस्टाग्राम पर उनके पांच मिलियन से अधिक फॉलोअर्स है। वहीं, चहल अपने मजाकिया और मजेदार कंटेंट इंस्टाग्राम पर प्रशंसकों के लिए साझा करते रहते हैं।

वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराया

ब्रिजटाउन (एजेंसी)।

शमर ब्रूक्स के अर्धशतक से वेस्टइंडीज ने पहले ही दिन-रात्रि के एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया। इस मैच में ब्रूक्स और कप्तान कप्तान निकोलस पूरण 28 के बीच 75 रनों की अहम साझेदारी हुई। इस मैच में न्यूजीलैंड टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 45.2 ओवर में 190 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को वेस्टइंडीज ने 39 ओवर में ही पांच विकेट के नुकसान पर 193 रन बनाकर हासिल कर लिया। जेसन होल्डर 13 और जर्मेन ब्लैकवुड 12 रनों पर नाबाद रहे। ब्रूक्स ने 58 गेंदों पर ही एकदिवसीय में अपना चौथा अर्धशतक भी पूरा कर लिया। ब्रूक्स ने अपनी इस पारी में 91 गेंदों का नौ चौके और एक छक्का लगाया। इससे पहले अकील हुसैन और अलजारी जोसेफ ने तीन-तीन विकेट लेकर किसी भी कीवी बल्लेबाज को टिकने नहीं दिया। केवल कप्तान केन विलियमसन ही 34 रन बना पाये। अन्य सभी बल्लेबाज एक के बाद एक पेवेलियन लौटते गये। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

हॉकी इंडिया के चुनाव नौ अक्टूबर से पहले कराने पर सहमत हुए एफआईएच और सीओए

विश्वकप मेजबानी का आया खतरा टला

लुसाने (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) और प्रशासकों की समिति (सीओए) ने कहा है कि हॉकी इंडिया के चुनाव नौ अक्टूबर से पहले होंगे। इसके साथ ही दोनों ने संशोधित संविधान का अंतिम मसौदा अगले 10 दिन में जमा करने पर भी सहमति व्यक्त की है। इससे भारत में होने वाले विश्व कप की मेजबानी पर छाया संकट दूर हो गया है।

एफआईएच के प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि सीओए, खेल मंत्रालय और विश्व कप की मेजबानी करने जा रही ओडिशा सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से उसकी मुलाकात सफल रही है। एफआईएच दल में कार्यवाहक अध्यक्ष सैफ अहमद के अलावा सीईओ थियरी वील भी शामिल थे। एफआईएच ने कहा, चुनावों को लेकर बैठक में एफआईएच द्वारा रखे गए दो अहम मामलों पर सीओए ने अपना जवाब दिया है। इसमें हॉकी इंडिया के संशोधित संविधान का पहला मसौदा एफआईएच को सौंपा गया है। इसका अंतिम मसौदा अगले 10 दिन में जमा होगा। इसके साथ ही हॉकी इंडिया के चुनाव नौ अक्टूबर 2022 से पहले कराने का फैसला आपसी सहमति से हुआ।

वहीं हॉकी इंडिया के मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को लेकर अहमद ने कहा, हम अदालत को तीसरा पक्ष नहीं मानते और हम न्यायपालिका का सम्मान करते हैं। हमारा मानना है कि अदालत का फैसला कोई हस्तक्षेप नहीं है। वहीं सीओए सदस्य अनिल दवे ने कहा,एफआईएच दल से बातचीत बेहद सकारात्मक और उत्साहवर्धक रही। इसमें खेल भावना और खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखकर ही भारत में हॉकी के सुचारू संचालन के लिए कुछ अहम कदम उठाने पर सहमति बनी है।

इससे पहले कल एफआईएच दल ने खेल सचिव सुजाता चतुर्वेदी से भी मुलाकात की थी। इस दौरान ओडिशा के खेल सचिव सह आयुक्त विनील कृष्णा ने एफआईएच दल को भुवनेश्वर और राउरकेला में होने वाले 2023 पुरूष हॉकी विश्व कप की तैयारियों की भी जानकारी दी। एफआईएच और सीओए दल सात सितंबर को भुवनेश्वर और राउरकेला का दौरा करेगा जिसके एक दिन बाद भुवनेश्वर में विश्व कप का आधिकारिक ड्रॉ निकाला जायेगा।

हॉकी विश्व कप 13 से 29 जनवरी 2023 के बीच खेला जाएगा।

नीरज चोपड़ा की वापसी का राह खुला, इस टूर्नामैंट की प्रतिभागियों में नाम शामिल

नई दिल्ली। ओलंपिक चैम्पियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का नाम 26 अगस्त को होने वाली लुसाने डाइमंड लीग प्रतियोगिता के प्रतिभागियों की सूची में शामिल है। चोपड़ा ने मामूली चोट के कारण हाल में राष्ट्रमंडल खेलों से नाम वापस लिया था। उन्होंने अभी तक इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग लेने के बारे में फैसला नहीं किया है। पिछले महीने अमेरिका के यूजीन में विश्व चैंपियनशिप में एतिहासिक रजत पदक जीतने के दौरान ग्रोइन में मामूली खिंचाव के कारण 24 वर्षीय चोपड़ा बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों से हट गए थे। उन्हें एक महीने के आराम की सलाह दी गई थी। एक सूत्र ने कहा- नीरज अपने रिहैबिलिटेशन पर काम कर रहे हैं और उनकी टीम लुसाने डाइमंड लीग के करीब आने पर इसके बारे में फैसला करेगी। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता अविनाश साबले को पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में जगह मिली है।

वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन : एम्मा ने अजारेंका को हराया

मैसन । ब्रिटेन की महिला टेनिस स्टार एम्मा राडुकानु ने बेलारुस की विक्टोरिया अजारेंका को वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस टूर्नामेंट में हराने के साथ ही तीसरे दौर में प्रवेश किया है। राडुकानु ने दूसरे दौर के मैच में अजारेंका को सीधे सेटों में 6-0, 6-2 से हराया। राडुकानु ने पहले दौर में अमेरिका की सेरेना विलियम्स को हराया था। वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन अमेरिकी ओपन के लिए तैयारियों का अच्छा मंच माना जाता है। सेरेना के खिलाफ आखिरी पांच गेम जीतने वाली राडुकानू ने अजारेंका के खिलाफ पहले 10 गेम जीते। अब इस ब्रिटिश खिलाड़ी का सामना आठवीं वरीयता प्राप्त अमेरिका की जेसिका पेगुला से होगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में छठी वरीयता प्राप्त रोमानिया की सिमोना हालेप ने मांसपेशियों में खिंचाव के कारण टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। हालेप के हटने से अब वेरोनिका कुदेरमेतोवा अगले दौर में पहुंच गई हैं।

सुंदर बन सकते हैं भारतीय टीम के लिए अच्छे ऑलराउंडर : शास्त्री

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने युवा स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह एक शानदार ऑलराउंडर है। सुंदर हालांकि चोटिल होने के कारण कई बार टीम में चयनित होने के बाद भी दौरे से बाहर हुए हैं। इसको देखते हुए उन्हें अपनी फिटनेस का खास ध्यान रखना होगा। शास्त्री के अनुसार सुंदर अगर अपनी गेंदबाजी में सुधार कर लें तो वो एक बेहतरीन ऑलराउंडर के रूप में उभर सकते है। भारतीय टीम में पिछले एक दशक से एक ऐसे बल्लेबाज की कमी रही है, जो स्पिन गेंदबाजी कर सकता हो। एक समय में भारत के पास सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, सुरेश रैना, युवराज सिंह जैसे बल्लेबाज थे। ये सभी खिलाड़ी गेंदाबाजी भी कर लेते थे पर इन सब खिलाड़ियों की तुलना में सुंदर की गेंदबाजी काफी अलग है। सुंदर गति बदलने में पारंगत है। वह नई गेंद से गेंदबाजी कर सकते है और पावरप्ले के दौरान बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकते हैं। साथ ही डेथ ओवर्स में भी उनके पासा अच्छी गेंदबाजी करने की क्षमता है। सुंदर का एक अतिरिक्त बल्लेबाज और अतिरिक्त गेंदबाज की तरह टीम में होना उसे बेहतर बना सकता है क्येंकि रवींद्र जडेजा की निरंतरता पिछले कुछ समय में घटी है।

ऐसे में वॉशिंगटन सुंदर एक अच्छे विकल्प के तौर पर उभरे हैं। शास्त्री ने कहा कि सुंदर में मुझसे अधिक क्षमता है और उन्हें हर प्रारुप में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए।

श्रीकृष्ण के जन्म के समय की रोचक घटनाएं

भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को भगवान श्रीकृष्ण का जन्म मथुरा के राजा कंस के कारागार में हुआ था। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार इस बार 18-19 अगस्त 2022 गुरुवार/शुक्रवार को उनका 5250वां जन्मोत्सव मनाया जाएगा। आओ जानते हैं उनके जन्म के समय घटी 10 ऐसी रोचक घटनाओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी जिन्हें जानकार आप चौंक जाएंगे।

आठ का अंक : श्रीकृष्ण 8वें मनु वैवस्वत के मन्वंतर के 28वें द्वापर में श्री कृष्ण विष्णु के 8वें अवतार थे। जब उनका जन्म हुआ तब भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की रात्रि के 7 मुहूर्त निकल गए और 8वां उपस्थित हुआ तभी आधी रात के समय सबसे शुभ लग्न में उन्होंने जन्म लिया। उस लग्न पर केवल शुभ ग्रहों की दृष्टि थी। तब रोहिणी नक्षत्र तथा अष्टमी तिथि के संयोग से जयंती नामक योग में उनका जन्म हुआ था। ज्योतिषियों के अनुसार रात 12 बजे उस वक्त शून्य काल था।

वचन के कारण लिया जन्म : स्वयं भगवान विष्णु ने कारागार में प्रकट होकर देवकी और वसुदेव को दर्शन देकर उन्हें उनके पूर्वजन्म की तपस्या के बारे में बताया था और उसी के पुण्यफल हेतु पूर्वजन्म में ही उनके यहां तीन बार अवतार लेने का वचन भी दिया था। वचनानुसार विष्णुजी देवकी माता से कहते हैं कि पहले जन्म में वृष्णीगर्भ के नाम से आपका पुत्र हुआ। फिर दूसरे जन्म में जब आप देव माता अदिति थी तो मैं आपका पुत्र उपेंद्र था। मैं ही वामन बना और राजा बलि का उद्धार किया। अब इस तीसरे जन्म में मैं आपके पुत्र रूप में प्रकट होकर अपना वचन पूरा कर रहा हूं।

भयंकर बारिश के दौरान हुआ जन्म : श्रीकृष्ण जन्म के समय भयंकर बारिश हो रही थी और यमुना नदी में तूफान था। कहते हैं कि ऐसी बारिश इससे पहले कभी नहीं हुई थी। भयानक रात्रि के प्रहर में बाढ़ जैसे हालात थे।

योग माया का चमत्कार : श्रीकृष्ण जन्म के समय श्री हरि विष्णु की आज्ञा से माता योगमाया प्रकट होकर देवकी और वसुदेवजी को उनके द्वारा श्री विष्णु के दर्शन और पूर्वजन्म की यादों को मिटा देती हैं। योगमाया के प्रभाव से ही उस वक्त शेषनाग बलराम के रूप में रोहिणी के गर्भ में चले जाते हैं। बलराम के जन्म के बाद श्रीकृष्ण का जन्म होता है। यह पता चलते ही कंस बालक का वध करने के लिए निकल जाता है। यह देख योगमाया अपनी माया से वसुदेव को जगाती है।

वसुदेव गोकुल छोड़कर आते हैं बालकृष्ण को : वसुदेव जागते हैं तो वह कहती हैं कि कंस के आने के पहले तुम इस बालक को लेकर गोकुल चले जाओ। वसुदेव बालक को प्रणाम करते हैं और फिर योगमाया से कहते हैं कि परंतु देवी माता मैं जाऊंगा कैसे? मेरे हाथ में तो बेड़ियां पड़ी हैं और चारों और कंस के पहरेदार भी खड़े हैं। तब देवी माता कहती हैं कि तुम स्वतंत्र हो जाओगे। गोकुल जाकर तुम यशोदा के यहां इस बालक को रख आओ और वहां से अभी-अभी जन्मी बालिका को उठाकर यहां लेकर आ जाओ।

शेषनाग करते हैं श्रीकृष्ण की रक्षा : योगमाया के प्रभाव से पहरेदारों को नींद आ जाती है, वसुदेवजी की बेड़ियां खुल जाती हैं और फिर वे बालक को उठाकर कारागार से बाहर निकल जाते हैं। बाहर आंधी और बारिश हो रही होती है। चलते-चलते वे यमुना नदी के पास पहुंच जाते हैं। तट पर उन्हें एक सुपड़ा पड़ा नजर आता है जिसमें बालक रूप श्रीकृष्ण को रखकर पैदल ही नदी पार करने लगते हैं। तेज बारिश और नदी की धार के बीच वे गले गले तक नदी में डूब जाते हैं तभी शेषनाग बालकृष्ण के सहयोग के लिए प्रकट हो जाते हैं।

यमुना नदी खुद मार्ग बनाती देती हैं : माता यमुना भी प्रकट होकर बाल कृष्ण के चरण छुकर नीचे उतर जाती है और उनके लिए यमुना पार करने का मार्ग बना देती हैं।

यशोदा की पुत्री को उठा लाते हैं वसुदेव : वसुदेवजी रात्रि के अंधकार में बालकृष्ण को लेकर यशोदा मैया के कक्ष में पहुंच जाते हैं। द्वार अपने आप ही खुल जाते हैं। गहरी नींद में सोई यशोदा मैया के पास वह बालकृष्ण को सुलाकर वहां सोई हुई बालिका को ले जाते हैं। पुन- कारागार में जाकर वे बालिका को गहरी नींद में सोई देवकी के पास सुला देते हैं। तब योगमाया प्रकट होकर उनकी बेढ़ियां फिर जस की तस कर देती हैं और कहती हैं कि हमारी माया से तुम्हें ये सब याद नहीं रहेगा। फिर वसुदेवजी भी सो जाते हैं। उधर योगामया के प्रभाव से ही यशोदा और उनके पति नंदराय यह समझते हैं कि यशोदा के यहां पुत्र का जन्म हुआ है।

कारागार में कन्या को देख भड़क जाता है कंस : बाद में कंस को पता चलता है कि देवकी ने फिर एक बच्चे को जन्म दिया है तो वह कारागार में उसका वध करने के लिए पहुंच जाता है। कारागार में पहुंचकर वह देवकी से पूछता है क्या ये लड़की है? देवकी कहती हैं हां भैया। तब वह कहता है झूठ। इस बार लड़की कैसे हुई? आकाशवाणी झूठ नहीं हो सकती। उसने आठवें पुत्र की बात कही थी। फिर लड़की कैसे आ गई? अवश्य लड़का हुआ होगा। कहां छिपा दिया है तुमने? तब वसुदेव कहते हैं कि जब मेरी आंख खुली तो मैंने इसी बालिका को देखा। मैं सत्यवादी हूं कभी झूठ नहीं बोलता।

भगवान श्रीकृष्ण की अलौकिक लीलाएं और जीवन दर्शन

जन्माष्टमी का त्यौहार प्रतिवर्ष भाद्रपक्ष कृष्णाष्टमी को भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। इस पर्व का भारतीय संस्कृति में इतना महत्व इसीलिए माना गया है क्योंकि श्रीकृष्ण को भारतीय संस्कृति का विलक्षण महानायक माना गया है। उनके व्यक्तित्व को जानने के लिए उनके जीवन दर्शन और अलौकिक लीलाओं को समझना जरूरी है। द्वापर युग के अंत में मथुरा में अग्रसेन नामक राजा का शासन था। उनका पुत्र था कंस, जिसने बलपूर्वक अपने पिता से सिंहासन छीन लिया और स्वयं मथुरा का राजा बन गया। कंस की बहन देवकी का विवाह यदुवंशी वसुदेव के साथ हुआ। एक दिन जब कंस देवकी को उसकी ससुराल छोड़ने जा रहा था, तभी आकाशवाणी हुई, हे कंस! जिस देवकी को तू इतने प्रेम से उसकी ससुराल छोड़ने जा रहा है, उसी का आठवां बालक तेरा संहारक होगा। आकाशवाणी सुन कंस घबरा गया। उसने देवकी की ससुराल पहुंचकर जीजा वसुदेव की हत्या करने के लिए तलवार खींच ली। तब देवकी ने अपने भाई कंस से निवेदन किया कि हे भाई! मेरे गर्भ से जो भी संतान होगी, उसे मैं तुम्हें सौंप दिया करूंगी, उसके साथ तुम जैसा चाहे व्यवहार करना पर मेरे सुहाग को मुझसे मत छीनो।

कंस ने देवकी की विनती स्वीकार कर ली और मथुरा लौट आया तथा वसुदेव एवं देवकी को कारागार में डाल दिया। कारागार में देवकी ने अपने गर्भ से पहली संतान को जन्म दिया, जिसे कंस के सामने लाया गया। देवकी के गिड़गिड़ाने पर कंस ने आकाशवाणी के अनुसार देवकी की आठवीं संतान की बात पर विचार करके उसे छोड़ दिया पर तभी देवर्षि नारद वहां आ पहुंचे और उन्होंने कंस को समझाया कि क्या पता, यही देवकी का आठवां गर्भ हो, इसलिए शत्रु के बीज को ही नष्ट कर देना चाहिए। नारद जी की बात सुनकर कंस ने बालक को मार डाला। इस प्रकार कंस ने देवकी के गर्भ से जन्मे एक-एक कर 7 बालकों की हत्या कर दी। जब कंस को देवकी के 8वें गर्भ की सूचना मिली तो उसने बहन और जीजा पर पहरा और कड़ा कर दिया। भाद्रपक्ष की कृष्णाष्टमी को रोहिणी नक्षत्र में देवकी के गर्भ से श्रीकृष्ण ने जन्म लिया। उस समय घोर अंधकार छाया हुआ था तथा मूसलाधार वर्षा हो रही थी। तभी वसुदेव जी की कोठरी में अलौकिक प्रकाश हुआ। उन्होंने देखा कि शंख, चक्र, गदा और पद्मधारी चतुर्भुज भगवान उनके सामने खड़े हैं। भगवान के इस दिव्य रूप के दर्शन पाकर वसुदेव और देवकी उनके चरणों में गिर पड़े। तब उन्होंने वसुदेव से कहा, ''अब मैं बालक का रूप धारण करता हूं। तुम मुझे तत्काल गोकुल में नंद के घर पहुंचा दो, जहां अभी एक कन्या ने जन्म लिया है। मेरे स्थान पर उस कन्या को कंस को सौंप दो। मेरी ही माया से कंस की जेल के सारे पहरेदार सो रहे हैं और कारागार के सारे ताले भी अपने आप खुल गए हैं। यमुना भी तुम्हें जाने का मार्ग अपने आप देगी।''

वसुदेव ने भगवान की आज्ञा पाकर शिशु को छाज में रखकर अपने सिर पर उठा लिया। यमुना में प्रवेश करने पर यमुना का जल भगवान श्रीकृष्ण के चरण स्पर्श करने के लिए हिलोरें लेने लगा और जलचर भी श्रीकृष्ण के चरण स्पर्श के लिए उमड़ पड़े। गोकुल पहुंचकर वसुदेव सीधे नंद बाबा के घर पहुंचे। घर के सभी लोग उस समय गहरी नींद में सोये हुए थे पर सभी दरवाजे खुले पड़े थे। वसुदेव ने नंद की पत्नी यशोदा की बगल में सोई कन्या को उठा लिया और उसकी जगह श्रीकृष्ण को लिटा दिया। उसके बाद वसुदेव मथुरा पहुंचकर अपनी कोठरी में पहुंच गए। कोठरी में पहुंचते ही कारागार के द्वार अपने आप बंद हो गए और पहरेदारों की नींद खुल गई। कंस को कन्या के जन्म का समाचार मिला तो वह तुरन्त कारागार पहुंचा और कन्या को बालों से पकड़कर शिला पर पटककर मारने के लिए ऊपर उठाया लेकिन कन्या अचानक कंस के हाथ से छूटकर आकाश में पहुंच गई। आकाश में पहुंचकर उसने कहा, ''मुझे मारने से तुझे कुछ लाभ नहीं होगा। तेरा संहारक गोकुल में सुरक्षित है।'' यह सुनकर कृष्ण के मामा कंस के होश उड़ गए। वह कृष्ण को ढूंढ़कर मारने के लिए तरह-तरह के उपाय करने लगा। कंस ने उन्हें मारने के लिए अनेक प्रयास किए। उसने श्रीकृष्ण का वध करने के लिए अनेक भयानक राक्षस भेजे परन्तु श्रीकृष्ण ने उन सभी का संहार कर दिया। कंस का वध करने के बाद श्रीकृष्ण ने उसके पिता उग्रसेन को राजगद्दी पर बिठाया और अपने माता-पिता वसुदेव तथा देवकी को कारागार से मुक्त कराया। तभी से भगवान श्रीकृष्ण के जनमोत्सव की स्मृति में जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया जाने लगा। वास्तव में श्रीकृष्ण की लीलाओं को समझना पहुंचे हुए ऋषि-मुनियों और बड़े-बड़े विद्वानों के बूते से भी बाहर है। जन्माष्टमी का पर्व हमें प्रेरणा देता है कि हम अपनी बुद्धि और मन को निर्मल रखने का संकल्प लेते हुए अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष रूपी मन के विकारों को दूर करें।

श्री कृष्ण को कैसे करें प्रसन्न, 10 उपाय आजमाएं जन्माष्टमी पर

जन्माष्टमी पर्व यानी कान्हा का जन्म उत्सव पूरी दुनिया में परंपरागत रूप से मनाया जाता है। इस वर्ष श्री कृष्ण जन्माष्टमी का शुभ पर्व 19 अगस्त 2022, दिन शुक्रवार को मनाया जाएगा।

आइए यहां जानते हैं इस दिन किए जाने वाले 10 आसान उपायों के बारे में। ये उपाय करने से चारों तरफ से धन-संपदा, समृद्धि, सफलता मिलने लगती है तथा भाग्य के द्वार खुलते हैं। जानिए यहां-

चांदी की बांसुरी

इस दिन चांदी की बांसुरी को लाकर कान्हा को चढ़ाएं। बाद में पूजन संपन्न होने के बाद इसे अपने पर्स में हिफाजत से रखें।

माखन-मिश्री

जन्माष्टमी के दिन माखन और मिश्री का भोग लगाकर 1 साल से छोटे बच्चों को अपनी अंगुली से चटाएं।

झूला

इस दिन सुंदर सुसज्जित झूला लाकर उसमें कान्हा जी बिठाएं।

राखी

कान्हा जी और बलराम जी को राखी बांधें।

तुलसी

कान्हा पूजन में तुलसी का प्रयोग जरूर करें।

शंख

जन्माष्टमी पर भगवान कृष्ण के नंदलाल स्वरूप का शंख में दूध डालकर अभिषेक करें।

फल व अनाज

कृष्ण जन्माष्टमी के दिन धार्मिक स्थल पर जाकर फल और अनाज दान करें।

गाय-बछड़ा

इस दिन गाय-बछड़े की नन्ही प्रतिमा लाने से भी धन और संतान संबंधी चिंताएं दूर होती हैं।

मोर पंख

मोर पंख श्रीकृष्ण को अत्यंत प्रिय है। अत- जन्माष्टमी पूजन में इसे जरूर चढ़ाएं।

हरसिंगार

हरसिंगार, पारिजात या शैफाली के फूल श्रीकृष्ण को बहुत पसंद है। अत- श्री कृष्ण पूजन में इनका प्रयोग अवश्य करें।

गली-गली सजेगी श्रीकृष्ण की झांकी... जन्माष्टमी पर माखन चोर आएंगे आपके घर

भारत आस्था का अनूठा संगम है और इसी आस्था पर जीवित है विश्व का सबसे प्राचीनतम धर्म। भगवान विष्णु के अवतार श्रीकृष्ण का हिन्दू धर्म में एक अलग स्थान है। जातक कथाओं और महाभारत के अनुसार मथुरा के कारागार में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म माँ देवकी के गर्भ से उस समय हुआ था जब चारों तरफ पाप, अन्याय और आतंक का प्रकोप था, धर्म जैसे ख़त्म सा हो गया था। धर्म को पुन: स्थापित करने के लिए ही द्वापर युग में कान्हा का जन्म हुआ था। आज भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी इसी उद्देश्य से मनाई जाती है। भारत के प्रत्येक हिस्से में जन्माष्टमी बड़े ही धूम-धाम से मनाई जाती है7 ख़ासकर उत्तर भारत में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एक विशेष पर्व है। वृन्दावन की गलियाँ हो या फिर सुदूर गाँव की चौपाल या फिर शहर का भव्य मंदिर, जन्माष्टमी पर हर भक्त झूम उठता है। जितना ज़रूरी जन्माष्टमी को मनाना है उससे कहीं ज्यादा ज़रूरी इसके पीछे छुपे उद्देश्य को जानना भी है।

जन्माष्टमी पर्व को भगवान श्रीकृष्ण के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व पूरी दुनिया में पूर्ण आस्था एवं श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। जन्माष्टमी को भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में बसे भारतीय भी पूरी आस्था व उल्लास से मनाते हैं। श्रीकृष्ण युगों-युगों से हमारी आस्था के केंद्र रहे हैं। वे कभी यशोदा मैया के लाल होते हैं, तो कभी ब्रज के नटखट कान्हा।

भगवान श्रीकृष्ण का जन्मदिन 18/19 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान घरों को संजाया जाता है और लोग अपने प्यारे कान्हा के जन्म को उत्सव मनाकर मनाते हैं। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पूरे भारत वर्ष में विशेष महत्व है। यह हिन्दुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। ऐसा माना जाता है कि सृष्टि के पालनहार श्री हरि विष्णु ने धर्म की रक्षा के लिए श्रीकृष्ण के रूप में आठवां अवतार लिया था। देश के सभी राज्य अलग-अलग तरीके से इस महापर्व को मनाते हैं। इस दिन क्या बच्चे क्या बूढ़े सभी अपने आराध्य के जन्म की खुशी में दिनभर व्रत रखते हैं और कृष्ण की महिमा का गुणगान करते हैं। दिनभर घरों और मंदिरों में भजन चलते रहते हैं। मंदिरों में जबरदस्त तरीके से संजाया जाता है और स्कूलों में श्रीकृष्ण लीला का मंचन होता है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का विशेष महत्त्व है। भाद्रपद महीने की अष्टमी तिथि पर पूर्णावतार योगिराज श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। इसी दिन उमा-महेश्वर व्रत भी किया जाता है। इस दिन श्रीकृष्ण का व्रत करने से पुण्य वृद्धि होती है। जन्माष्टमी पर व्रत के साथ भगवान की पूजा और दान करने से सभी प्रकार की परेशानियां दूर हो जाती है।

अमीर-गरीब सभी लोग यथाशक्ति-यथासंभव उपचारों से योगेश्वर कृष्ण का जन्मोत्सव मनाएं। जब तक उत्सव सम्पन्न न हो जाए तब तक भोजन कदापि न करें। जो वैष्णव कृष्णाष्टमी के दिन भोजन करता है, वह निश्चय ही नराधम है। उसे प्रलय होने तक घोर नरक में रहना पडता है भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हमें यह सीख देता है कि जिस तरह मामा कंश की लाख कोशिशों के बाद भी माँ देवकी ने कान्हा को जन्म दिया क्यूंकि उन्हें भगवान पर भरोसा था और यह उम्मीद थी कि एक दिन ज़रूर ऐसा आएगा कि उनके भाई का अधर्म, धर्म से अवश्य हार जायेगा। इसी प्रकार हमें भी ईश्वर पर भरोसा रख अपने तन-मन-धन से धर्म को बरकरार रखना चाहिए।

गोटबाया के करीबी का दावा- 24 अगस्त को श्रीलंका वापस लौटेंगे पूर्व राष्ट्रपति

कोलंबो। श्रीलंका में भीषण आर्थिक व राजनीतिक संकट के लिए जिम्मेदार ठहराए गए पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे 24 अगस्त को श्रीलंका लौट सकते हैं। यह दावा गोटबाया के करीबी व रूस में श्रीलंका के राजदूत रहे उदयंगा वीरातुंगा ने किया है। अभूतपूर्व आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका के तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को पिछले माह उस समय देश छोड़कर भागना पड़ा था, जब आंदोलित श्रीलंकाई नागरिकों ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया था। सेना के एक विमान से भाग कर गोटबाया पहले मालदीव गए और फिर

वहां से सिंगापुर चले गए थे। सिंगापुर पहुंच कर ही गोटबाया ने राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था। सिंगापुर में प्रवेश करते ही उन्हें 14 जुलाई को 14 दिन का अल्पकालिक यात्रा पास प्रदान किया गया था। बीते 27 जुलाई को उनके यात्रा पास की अवधि 14 दिन और बढ़ाई गयी थी। इसके बाद से उनके जल्द श्रीलंका लौटने की बात कही जा रही थी, किन्तु सिंगापुर में पुन~ यात्रा पास की अवधि समाप्त होते ही गोटबाया थाईलैंड पहुंच गए थे। गोटबाया को थाईलैंड में 90 दिन प्रवास की अनुमति मिली थी। पिछले महीने श्रीलंका के मौजूदा राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने भी कहा था कि श्रीलंका में अभी ऐसे हालात नहीं है कि गोटबाया वापस लौटें। ऐसे में माना जा रहा था कि गोटबाया के लौटने में विलंब हो सकता है। अब गोटबाया के करीबी और रूस में श्रीलंका के पूर्व राजदूत उदयंगा वीरातुंगा ने कहा है कि वह 24 अगस्त को श्रीलंका लौटेंगे। वीरातुंगा के इस दावे के बाद श्रीलंका में एक बार फिर गोटबाया की वापसी को लेकर चर्चाएं शुरू हो गयी हैं।

अमेरिका के डलास में दो हजार बच्चों ने गीता पाठ करके दिया भारतीय संस्कृति का सन्देश

वाशिंगटन। भारतीय संस्कृति पूरी दुनिया को आकर्षित कर रही है। यह बात अमेरिका के डलास में एक बार फिर साबित हुई है। दरअसल डलास के एक स्टेडियम में एक साथ दो हजार बच्चों ने गीता पाठ कर पूरे पश्चिमी जगत को भारतीय संस्कृति के प्रति आकृष्ट

होने का संदेश दिया है। हाल ही में तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो में एक बड़ा इंडोर स्टेडियम नजर आ रहा है। यह वीडियो अमेरिकी शहर डलास का है। वहां एक इंडोर स्टेडियम में मौजूद दो हजार बच्चे एक साथ सस्वर भगवत् गीता का पाठ कर रहे हैं। न सिर्फ भारतीय मूल के लोग, बल्कि अमेरिकी भी भारी संख्या में वहां मौजूद हैं। बताया गया कि ये बच्चे पिछले दो वर्ष से भगवत् गीता का अभ्यास कर रहे थे। इसी अभ्यास की परिणति सस्वर गीता पाठ में हुई है। अब इस आयोजन की चतुर्दिक सराहना हो रही है।

फ्लोरिडा की अदालत ने 16 साल की लड़की को गर्भपात से रोका, नियम पर फिर छिड़ी बहस

फ्लोरिडा । अमेरिका में गर्भपात नियम को लेकर पहले से ही बहस छिड़ी हुई है। इस नियम को लेकर विरोध-प्रदर्शन भी हुए। अब एक खबर फ्लोरिडा से सामने आई है, यहां एक अदालत ने 16 वर्षीय लड़की की गर्भपात करने की अपील को अस्वीकार कर दिया। फ्लोरिडा कोर्ट ने कहा कि 16 वर्षीय लड़की गर्भपात कराने के लिए 'पर्याप्त रूप से परिपक्व' नहीं है। कोर्ट के इस फैसले के बाद कुछ सांसदों ने नाराजगी जाहिर की है।अदालत में अपील करने वाली लड़की की पहचान नहीं हो पाई है। उसने निचली अदालत को बताया कि वह बच्चा पैदा करने के लिए तैयार नहीं है। वह अभी भी स्कूल में है और उसके पास कोई नौकरी भी नहीं है। बच्चे का पिता भी उसकी कोई मदद करने की स्थिति में नहीं है। इसलिए वह गर्भपात करना चाहती है। फ्लोरिडा में गर्भपात की मांग करने वाले नाबालिगों को अपने माता-पिता में से कम से कम एक की सहमति की आवश्यकता होती है। लेकिन लड़की के माता-पिता इस शहर में नहीं है वह एक रिश्तेदार के साथ रहती है। लड़की वह उस नियम से छूट की मांग कर रही थी।

चीन के 22 जेटों, पांच युद्धपोतों ने की ताइवानी सीमा में घुसपैठ, बीजिंग ने बढ़ाई हरकतें

ताईपे । अमेरिकी सांसदों का दल ताइपे पहुंचने के बाद से चीनी सेना ने ताइवान को धमकाने के लिए सैन्याभ्यास को और तेज कर दी हैं। इस युद्धाभ्यास के दौरान चीन के 22 लड़ाकू विमान और पांच युद्धपोत ताइवानी सीमा का उल्लंघन कर चुके हैं।

ताइवान टाइम्स ने राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) के हवाले से कहा, पीएलए के इन लड़ाकू विमानों और पोतों ने चीन और ताइवान के बीच की मध्य रेखा को पार किया। इससे पहले अमेरिकी निचले सदन प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के दौरान भी चीन ने इस इलाके में 100 से ज्यादा जेटों और 22 युद्धपोतों के साथ लगभग सप्ताह भर सैन्याभ्यास किया था। चीनी राष्ट्रपति, विदेश मंत्रालय और पीएलए अमेरिका को ऐसी यात्राओं के खिलाफ

लगातार धमकाते रहे हैं। ताइवानी मंत्रालय के मुताबिक, इन विमानों में चार सुखोई एसयू-30 लड़ाकू विमान, तीन शेनयांग जे-11 जेट लड़ाकू विमान, दो शेनयांग जे-16 जेट लड़ाकू विमान और एक शानक्सी वाई-8 परिवहन विमान शामिल थे।

ताइवान ने भी शुरू किया युद्धाभ्यास-ताइवान ने भी हमले की दशा में जवाबी कार्रवाई के लिए युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है। ताइवानी सेनाओं ने दक्षिणपूर्वी काउंटी 'हुलिएन' में सैन्याभ्यास किया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सन ली-फांग ने बताया, उन्होंने चीनी पोतों और विमानों की निगरानी के लिए युद्धक निगरानी विमान और युद्धपोत मध्य रेखा की तरफ रवाना किए। ताइवानी सेना ने चीन के पांच विमानों को ताइवान खाड़ी की मध्यरेखा को पार करते हुए पकड़ा। चीन की हर हरकत पर नजर रखने के लिए हवाई गश्ती विमान और जहाज लगातार तैनात हैं। इसके साथ ही साथ तट आधारित मिसाइल सिस्टम की भी तैनाती की गई है।

चीन के पश्चिमी किंघाई प्रांत में बाढ़ से 16 की मौत, 36 लोग लापता

किंघाई । चीन के पश्चिमी किंघाई प्रांत में अचानक आई बाढ़ से 16 लोगों की मौत हो गई और 36 लोग लापता हैं। चीन की सरकारी मीडिया सीसीटीवी ने बताया कि तेज बारिश से भूस्खलन हुआ जिससे नदी का रास्ता बदल गया। समाचार एजेंसी की खबर में स्थानीय आपदा प्रबंधन विभाग के हवाले से बताया गया है कि दातोंग हुई और तू स्वायत्तशासी कस्बे में अचानक बाढ़ आ गई। विभाग ने बताया कि दोनों कस्बों का प्रशासन संभालने वाले शिनिंग शहर से उसे आपदा की सूचना मिली। इसके बाद नियंत्रण एवं राहत कार्य के लिए तत्काल कदम दठाए गए।

थाईलैंड दौरे पर विदेश मंत्री जयशंकर, हिंदू मंदिर में की पूजा-अर्चना

लंदन। विदेश मंत्री एस जयशंकर थाईलैंड के दौरे पर हैं। गुरुवार को यहां स्थित एक हिंदू मंदिर में पूजा अर्चना की। जयशंकर भारत-थाईलैंड संयुक्त आयोग की नौवीं बैठक में भाग लेने के लिए थाईलैंड पहुंचे थे।

विदेश मंत्री जयशंकर ने ट्वीट किया, 'बैंकॉक के देवस्थान में आज प्रार्थना की। फ्रा महाराजागुरु विधि का आशीर्वाद लिया। यह हमारी साझी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को रेखांकित करता है।' देवस्थान या 'थाई रॉयल कोर्ट' का 'रॉयल ब्राह्मण ऑफिस' बैंकॉक के फ्रा नाखोन जिले में वाट सुथत के पास स्थित है। यह मंदिर थाईलैंड में हिंदू धर्म का आधिकारिक केंद्र है। महाराजागुरु विधि थाई ब्राह्मण समुदाय के प्रमुख हैं।

मंदिर 'कोर्ट ब्राह्मण' का निवास है, जो तमिलनाडु के रामेश्वरम के पुजारियों के पूर्वजों के वंशज हैं। ये ब्राह्मण थाईलैंड शाही परिवार के लिए हर साल कई महत्वपूर्ण शाही और धार्मिक अनुष्ठान तथा समारोह करते हैं।

रुश्दी की तरह मुझ पर भी हो सकते हैं हमले : तसलीमा नसरीन

नई दिल्ली। भारतीय मूल के लेखक सलामन रुश्दी पर अमेरिका में हमले के बाद बांग्लादेश मूल की लेखिका तसलीमा नसरीन ने कहा है कि मेरे ऊपर भी हमले हो सकते हैं। तसलीमा नसरीन ने दावा किया कि एक पाकिस्तानी धार्मिक नेता अल्लामा खादिम हुसैन रिजवी उन्हें मारना चाहता था। तसलीमा ने कहा कि रिजवी ने पाकिस्तानी चरमपंथियों को उन्हें मारने के लिए प्रेरित किया। बांग्लादेश में पैदा हुई लेखिका तसलीमा नसरीन के खिलाफ कथित इस्लाम विरोधी टिप्पणियों के लिए अतीत में कई फतवे (मौत की सजा) जारी हो चुके हैं।

तसलीमा नसरीन ने ट्विटर पर धर्मगुरु का एक वीडियो भी शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा, यह धर्मगुरु मुझे मारना चाहता था और उसने इस्लाम के नाम पर लाखों पाकिस्तानी चरमपंथियों को मुझे मारने के लिए प्रेरित किया। यह दावा कर रहा है कि इसने मेरी किताब पढ़ी है, लेकिन मैं निश्चित रूप से कह सकती हूं कि इसने ऐसा नहीं किया। यह झूठ बोल रहा था। शुक्रवार को लेखक सलमान रुश्दी पर चाकू से हमले के बाद तसलीमा ने कहा कि उनकी भी हत्या हो सकती है। गौरतलब है कि मुंबई में जन्मे विवादास्पद लेखक रुश्दी को 'द सैटेनिक वर्सेज' की रचना करने के बाद कई वर्षों तक इस्लामी चरमपंथियों से जान से मारने की धमकियों का सामना करना पड़ा। उन्हें शुक्रवार को अमेरिका के न्यूयॉर्क में 24 वर्षीय एक युवक ने एक कार्यक्रम में चाकू मार दिया। रुश्दी ने जिस खतरे का सामना किया, उसी तरह निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन को भी धमकियों का सामना करना पड़ रहा है।

वैश्विक स्तर पर फिर बढ़ रहा कोरोना, एक माह में 35 प्रतिशत बढ़ी मौतों की संख्या

जेनेवा। दो साल तक भीषण जानलेवा संकट बना रहा कोरोना एक बार फिर बढ़ रहा है। पिछले एक माह में कोरोना महामारी से मौतों की संख्या में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख डॉ. टेड्रोस घेब्रेयसस ने इस बाबत चेताया है।

पूरी दुनिया पर कोरोना का खतरा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख घेब्रेयस ने कहा है कि हमें बीमारी खत्म होने की बात नहीं मान लेनी चाहिए। इसके विपरीत हर किसी को स्वयं और दूसरों के बचाव के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि हम सब कोरोना वायरस व महामारी से थक और ऊब गए हैं किन्तु यह वायरस अभी नहीं थका है। अब भी कोरोना का ओमिक्रॉन प्रतिरूप

सर्वाधिक सक्रिय प्रतिरूप बना हुआ है।

अपने संदेश में डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा है कि पिछले एक माह में 15 हजार लोगों ने कोविड से जान गंवाई है। संक्रमण रोकने और लोगों की जान बचाने के सभी संसाधन उपलब्ध होने के बावजूद इतनी बड़ी संख्या में मौत बर्दाश्त के बाहर है। अब कोरोना को लेकर हम असहाय नहीं हैं। जरूरी है कि प्रत्येक व्यक्ति टीका लगवाए और जरूरत पड़ने पर बूस्टर टीका लगवाएं। मास्क पहनें

पूरी दुनिया पर कोरोना का खतरा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख घेब्रेयस ने कहा है कि हमें बीमारी खत्म होने की बात नहीं मान लेनी चाहिए।

और सुरक्षित शारीरिक दूरी बनाए रखें। उन्होंने निराश होकर यह भी कहा कि अस्पतालों की बढ़ती संख्या के बावजूद हम टीकों की असमान पहुंच के साथ नहीं रह सकते हैं।

पृथ्वी पर क्षुद्रग्रह लेकर आया था पानी, जापानी वैज्ञानिकों का खुलासा

टोक्यो। । जापानी वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि पृथ्वी पर पानी क्षुद्रग्रह लेकर आया था। उन्होंने 'रीयुगू' नामक क्षुद्रग्रह के धूल का अध्ययन करने के बाद इसका खुलासा किया है। हाल ही में 'जर्नल नेचर एस्ट्रोनॉमी' में प्रकाशित अध्ययन में ब्रह्मांड, सौरमंडल, ग्रह और धरती के बनने की कहानी बताई गई है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, क्षुद्रग्रह 'रीयुगू' 800 मीटर व्यास का पत्थर है।

इस पत्थर से जो नमूने धरती पर लाए गए हैं, वह बेहद गहरे रंग के हैं। इनके बीच एक हरे रंग का कार्बनिक पदार्थ मिला है। ये पदार्थ काफी छिद्रों से भरा हुआ है। इसमें मौजूद छिद्रों से पता चलता है कि इसके अंदर से पानी या गैस का बहाव होता रहा होगा। इसका अर्थ यह हुआ कि 450 करोड़ साल पहले 'रीयुगू' पर जीवन के संकेत थे। आज भी ये संकेत संभव हैं।

ऑस्ट्रेलिया की क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने भी मिट्टी के इन नमूनों का अध्ययन किया है। उन्होंने बताया कि प्राप्त नमूनों की मिट्टी इतनी काली है कि ये सूर्य की रोशनी का सिर्फ 2 फीसदी हिस्सा ही परावर्तित करती है। यह कार्बन का एक विशिष्ट रूप है। रीयुगू, धरती और मंगल के बीच की कक्षा में धरती के चारों तरफ चक्कर लगाता है।

अध्ययन के लिए भेजा गया हायाबूसा-2

जापान ने अंतरिक्ष मिशन के तहत इस क्षुद्रग्रह के अध्ययन के लिए स्पेसक्राफ्ट हायाबूसा-2 भेजा था। यह साल 2020 में एस्ट्रॉयड रीयुगू से मिट्टी के नमूने लेकर लौटा था। पिछले वर्ष भी यह भी दावा किया गया था कि रीयुगू पर बेहद प्राचीन मौलिक तत्व मिले हैं।

उत्तरी अल्जीरिया में जंगल में फैली आग, झुलसने से 26 लोगों की मौत

अल्जीयर्स। अल्जीरिया के जंगलों में आग फैलने से करीब 26 लोगों की झुलसने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, अगस्त माह की शुरुआत के बाद से ही अल्जीरिया में अब तक 106 बार आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं। इसकी वजह से 2,500 हेक्टेयर से अधिक वनक्षेत्र नष्ट हो गया है।देश के गृह मंत्री कामेल बेल्डजौद ने कहा कि उत्तरी अल्जीरिया के 14 जिलों के जंगल में लगी आग में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों अन्य घायल हो गए। बेल्डजौद ने सरकारी टेलीविजन को बताया कि ट्यूनीशिया की सीमा के पास एल तारफ में आग लगने से 24 लोगों की मौत हो गई, इसके अलावा इससे पहले सेतिफ में दो अन्य लोग की मौत हो गई थी।

सेतिफ में नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि शहर में दो महिलाओं 58 वर्षीय मां और उनकी 31 वर्षीय बेटी की मारी गई थीं। इस दौरान ट्यूनीशिया के साथ अल्जीरिया की सीमा के पास पूर्व में सूक अहरास में लोगों को अपने घरों से भागते देखा गया, क्योंकि अग्निशमन हेलीकॉप्टरों को तैनात करने से पहले आग फैल गई थी। अधिकारियों ने कहा कि पहले सूचना मिली थी कि सूक अहरास में चार लोग जल गए और 41 अन्य को सांस लेने में कठिनाई हुई। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि 350 निवासियों को आग से बचाकर निकाला गया था। अन्य क्षेत्रों में लगी आग में घायल हुए लोगों की संख्या के बारे में कोई अद्यतन जानकारी नहीं मिली है। आग की वजह से देश के सैन्यबल जेंडरमेरी ने कई सड़कों को बंद कर दिया है। नागरिक सुरक्षा एजेंसी

ने कहा, 14 विला (प्रशासनिक परिषदों) में उनचालीस जगहों पर आग लगी हुई है। वहीं एल तारफ में 16 जगहों पर आग लगने की वजह से कुछ भी नहीं बचा है, यह सबसे ज्यादा प्रभावित इलाका है। सूक अहरास सहित तीन प्रशासनिक परिषदों में आग पर पानी गिराने के लिए हेलीकॉप्टरों ने बांबी बाल्टी का इस्तेमाल किया है। अगस्त की शुरुआत के बाद से ही अल्जीरिया में आग लगने की 106 घटनाएं हो चुकी हैं। इनकी वजह से 2,500 हेक्टेयर से अधिक जंगल नष्ट हो गए हैं। बेल्डजौद ने कहा कि कुछ जगह पर खुद लोगों ने आग लगाई थी। हुई मौतों के बाद इस गर्मी में जंगल की आग में मारे गए लोगों की कुल संख्या अब 30 हो गई है। अल्जीरिया अफ्रीका का सबसे बड़ा देश है, लेकिन इसके पास केवल 4.1 मिलियन हेक्टेयर (10.1 मिलियन एकड़) जंगल है। हर साल इस देश का उत्तरी इलाका जंगल की आग से प्रभावित होता है। यह समस्या जलवायु परिवर्तन की वजह से और भी गंभीर हो गई है। पिछले साल भी उत्तरी अल्जीरिया के जंगल में आग लगने से कम से कम 90 लोगों की मौत हो गई थी, जिससे 100,000 हेक्टेयर से अधिक वनक्षेत्र नष्ट हो गया था।

काबुल की मस्जिद में भीषण धमाके में 30 से अधिक की मौत, 40 से अधिक घायल

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान के शासन के एक साल पूरा होने के कुछ ही घंटे के बाद राजधानी काबुल के उत्तरी भाग के पीडी 17 इलाके में स्थित एक मस्जिद में भीषण बम विस्फोट हुआ। इस विस्फोट में 30 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और 40 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। अभी तक इस विस्फोट को लेकर सरकार ने कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है और न किसी आतंकी संगठन ने इसकी जिम्मेदारी ली है।

जानकारी के मुताबिक उत्तरी काबुल की मस्जिद में धमाका तब हुआ जब लोग शाम कि इबादत के लिए यहां एकत्रित हुए थे। काबुल पुलिस के प्रवक्ता बताया कि मस्जिद में भीषण धमाके में बड़ी

संख्या में लोग मारे गए है, अभी तक इस घटना में मारे गए लोगों और घायलों की सरकार की तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। धमाका बहुत ही जोरदार था। मस्जिद के आसपास के घरों के शीशे भी धमाके की वजह से टूट गए। तालिबान के खुफिया विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। मरने वालों में मस्जिद का इमाम भी शामिल हैं।

काबुल के इमरजेंसी अस्पताल में घायलों का इलाज चल रहा है। घायलों में एक सात साल का बच्चा भी है।

अस्पताल की तरफ से शुरूआती जानकारी में 27 लोगों के घायल होने की जानकारी दी गई थी। घटना के तुरंत बाद मौके पर सुरक्षाकर्मी और एंबुलेंस पहुंच गई। बता दें कि यह हमला तब हुआ है जब तालिबान अपना विजय सप्ताह बना रहा है। 15 अगस्त 2021 को तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा किया था।

लंदन के रेलवे स्टेशन पर भीषण आग, रेल सेवा ठप

लंदन। लंदन के साउथ वार्क रेलवे स्टेशन पर भीषण आग लग गयी है। इस कारण लंदन व आसपास के क्षेत्र की रेल सेवा ठप हो गयी है। फायर ब्रिगेड की दस गाड़ियां आग बुझाने में लगानी पड़ीं लेकिन घंटों प्रयास के बाद भी आग पूरी तरह नहीं बुझ सकी। लंदन के मशहूर लंदन ब्रिज के पास स्थित साउथ वार्क रेलवे स्टेशन में स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह साढ़े नौ बजे के आसपास भीषण आग लग गयी। बताया गया कि आग यूनियन स्ट्रीट पर रेलवे आर्क में लगी है। तत्काल लंदन फायर ब्रिगेड के अधिकारियों को इसकी जानकारी

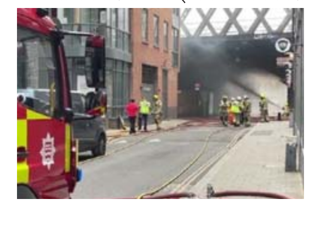

दी गयी। आनन-फानन में मौके पर फायर ब्रिगेड की दस गाड़ियां पहुंचीं। अग्निशमन विभाग के 70 कर्मचारी मौके पर आग बुझाने के लिए पहुंचे। घंटों प्रयास के बाद भी आग पूरी तरह नहीं बुझ सकी। लंदन ब्रिज के पास से आसमान में काले धुएं की लकीर उठती साफ दिखती रही। आग में तात्कालिक रूप से किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। इस कारण लंदन व आसपास के क्षेत्र की रेल सेवाएं पूरी तरह ठप हो गयीं। लंदन फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने कहा कि जिस साउथ वार्क रेलवे स्टेशन पर आग लगी है, वह लंदन का एक अतिव्यस्त स्टेशन है। आग के कारण यात्रियों को भी अत्यधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों के मुताबिक अभी आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। इस बाबत जांच की जा रही है।

सार समाचार

कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर की तस्वीर वाली टीशर्ट पहन स्वर्ण मंदिर पहुंचा कांग्रेस नेता

अमृतसर । पंजाब के कांग्रेस कार्यकर्ता करमजीत सिंह गिल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनकी तस्वीर सामने आई है जिसमें करमजीत कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर की तस्वीर वाली टीशर्ट पहने हुए स्वर्ण मंदिर में दिख रहे हैं। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी (एसजीपीसी) ने मामले में शिकायत दर्ज की है। एसजीपीसी ने उकसावे वाली हरकत मानते हुए कड़ी निंदा की है। एसजीपीसी के मुखिया हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि कांग्रेस नेता टाइटलर सिख दंगों के मुख्य आरोपी थे और उन्हें कभी माफ नहीं किया जा सकता। अमृतसर पुलिस ने मामले में करमजीत सिंह गिल के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। धामी ने कहा कि यह पूरी तरह से एक सुनियोजित साजिश है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस का एक नेता इस तरह की हरकत गुरुद्वारे में करता है, तब यह सोची-समझी साजिश लगती है। गिल कांग्रेस एससी सेल के चेयरमैन हैं, पहले भी विवादों में आ चुके हैं। धामी ने कांग्रेस को भी सिख विरोधी करार दिया। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस ने एक बार फिर सिखों की भावनाओं को आहत किया। एसजीपीसी मुखिया ने कहा कि स्वर्ण मंदिर में दुनिया भर के सिखों और अन्य लोगों की आस्था है। इसके बाद यहां कांग्रेस नेता टाइटलर की तस्वीर वाली टी-शर्ट पहनना भावनाएं भड़काने जैसा है। करमजीत सिंह गिल की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल है।

राजस्थान के बाद यूपी में टीचर बना हैवान, बेहरमी से पिटने पर छात्र की मौत

श्रावस्ती। राजस्थान के जालौर में शिक्षक की पिटाई से छात्र की मौत का मामला पूरी तरह से थमा भी नहीं था कि अब यूपी से एक छात्र की मौत की खबर सामने आई है। श्रावस्ती जिले से एक टीचर का बेरहम चेहरा सामने आया है। सिरसिया थाना क्षेत्र के एक प्राइवेट स्कूल में टीचर ने छात्र को इस कदर बेरहमी से पीटा कि उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक छात्र का नाम बृजेश विश्वकर्मा और उम्र 10 साल थी। मामला ग्राम बंकटवा दारी पुरवा सिरसिया का है, जहां प्राइवेट स्कूल के टीचर ने बच्चे को बुरी तरह पीटा, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। मृतक छात्र के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बहराइच भेजा गया है।

अल-कायदा से जुड़े दो संदिग्ध बंगाल से गिरफ्तार, एसटीएफ ने मांगी 14 दिन की पुलिस कस्टडी

नई दिल्ली। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल पुलिस की विशेष कार्य बल (एसटीएफ) इकाई ने बुधवार देर रात उत्तर 24 परगना जिले से भारतीय उपमहाद्वीप (एक्यूआईएस) में अल कायदा के अब्दुर रकीब सरकार और काजी अहसन उल्लाह नामक दो संदिग्ध सदस्यों को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ इकाई के अधिकारियों ने बुधवार रात उत्तर 24 परगना के शासन थाना क्षेत्र के खारीबाड़ी में छापेमारी की और दोनों को आतंकवादी संगठन के साथ कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया। एसटीएफ की तरफ से 14 दिन की पुलिस कस्टडी की मांग की गई।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि उनमें से एक की पहचान दक्षिण दिनाजपुर जिले के गंगारामपुर के निवासी के रूप में हुई है, जबकि दूसरे की पहचान हुगली जिले के आरामबाग के रहने वाले के रूप में हुई है, उन्होंने कहा कि छापेमारी के दौरान उनके कब्जे से कई दस्तावेज जब्त किए गए। दोनों को एक्यूआईएस से जुड़े होने के कारण गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से अत्यधिक कट्टरपंथी विचारों वाले, भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने के संकेत वाले दस्तावेज जब्त किए गए हैं। उनके खिलाफ एक विशेष मामला शुरू किया जा रहा है। अधिकारी ने कहा, 'दोनों से पूछताछ के बाद पुलिस को पता चला है कि एक्यूआईएस के कम से कम 17 अन्य सदस्य इस क्षेत्र में सक्रिय हैं।' अधिकारी ने कहा कि गिरफ्तार दोनों को गुरुवार को स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा।

पार्थ और अर्पिता मुखर्जी की न्यायिक हिरासत को 31 अगस्त बढ़ाई गई

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के स्कूल भर्ती घोटाले में पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी की मुश्किलें लगातार बढ़ती दिख रही हैं। इसी बीच अदालत ने पार्थ और अर्पिता मुखर्जी की न्यायिक हिरासत को 31 अगस्त तक के लिए बढ़ाया है। विशेष पीएमएलए अदालत ने स्कूल भर्ती घोटाले में मनी ट्रेल की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जांच के सिलसिले में 31 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेजा है। बता दें कि पार्थ चटर्जी और अर्पिता मुखर्जी को ईडी ने 23 जुलाई को बंगाल के स्कूलों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की कथित अवैध भर्ती के मामले में गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी दोनों से लगातार पूछताछ कर रही है और ईडी को कई अहम सबूत भी हाथ लगे हैं।

ईडी की टीम ने मंगलवार और बुधवार को पूछताछ के नए दौर में पार्थ चटर्जी और अर्पित मुखर्जी से कई अहम सवाल पूछे। एक जांच अधिकारी ने बताया था कि हमने अर्पिता मुखर्जी से मंगलवार को पूछताछ की थी और उसने हमें कई सुराग दिए हैं जिसके आधार पर हम बुधवार को पार्थ चटर्जी से पूछताछ करने वाले हैं। स्कूल भर्ती मामले में हुई अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में ईडी ने पिछले महीने पार्थ चटर्जी और अर्पित मुखर्जी को गिरफ्तार किया था। इस केंद्रीय एजेंसी ने कोलकाता के अलग-अलग हिस्सों में मुखर्जी के घरों से करोड़ों रुपये भी जब्त किए हैं।

रायगढ़ जिले में हरिहरेश्वर बीच के पास मिली संदिग्ध नाव, नाव से एके 47 मिलने की जानकारी

मुंबई । महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में हरिहरेश्वर बीच के पास संदिग्ध नाव मिलने की प्रारंभिक सूचना मिली है। प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक नाव से एके 47 मिलने की जानकारी है। पुलिस सहित कई एजेंसियां मौके पर पहुंच गई है। रिपोर्ट के मुताबिक यह नाव ओमान सिक्योरिटी की स्पीड बोट है। हालांकि बोट में कोई आदमी नहीं था। आमतौर पर इलाके में पाकिस्तानी नाव मिलने की आशंका रहती है, जिससे जासूसी की जाती है। हालांकि इस मामले में अभी इस बात की पुख्ता सूचना नहीं है कि नाव पाकिस्तान की ओर से आई है या नहीं। इस मामले में और अधिक सूचना का इंतजार है। वहीं संदिग्ध बोट मिलने के बाद महाराष्ट्र के सभी समुद्री इलाकों को अलर्ट कर दिया गया है। शुक्रवार को पूरे महाराष्ट्र में दही हांडी का त्यौहार है। यह देखकर महाराष्ट्र पुलिस किसी भी तरह का कोई रिस्क नही लेना चाहती है और इसके चलते सभी जिले की पुलिस अलर्ट पर है। सूत्रों के मुताबिक रायगढ़ मामले में नाव की बरामदगी के बाद आंतकी घटना पर भी खुफिया विभाग भी नजर बनाए हुए है। सूत्रों के मुताबिक यह पाकिस्तान आईएसआई की एक चाल भी हो सकती है। अत्याधुनिक हथियारों की खेप खासकर एके 47 ओमान के रास्ते भारत भेजने की एक खतरनाक साजिश है। ताकि पाकिस्तान इंटरनेशनल फोरम पर खुद को पाक साफ साबित कर सके। रिपोर्ट के मुताबिक एसपी रायगढ़, अशोक धुधे ने हरिहरेश्वर बीच के पास नाव में एके 47 मिलने की पुष्टि की। उन्होंने इस बारे में कोई अन्य जानकारी साझा नहीं की कि नाव स्पीड बोट थी या कोई अन्य नाव। उन्होंने कहा कि जांच चल रही है। सूत्रों से मिली जानकारी में कहा गया है कि यह ऑस्ट्रेलिया में बनी नाव है। जिस जगह पर बोट मिली है वह जगह मुंबई से करीब 200 किमी और पुणे से 170 किमी दूर है।

बिलकिस बानो मामले में गुजरात सरकार ने केंद्र सरकार से परामर्श किया : चिदंबरम

नई दिल्ली । पूर्व गृहमंत्री पी. चिदंबरम ने बिलकिस बानो मामले में सजा में छूट पर सवाल उठाया है। चिदंबरम ने ट्वीट में कहा, कानून की तय स्थिति यह है कि इसतरह के मामले में जहां अभियोजन एजेंसी सीबीआई थी, राज्य सरकार सजा में छूट देने से पहले केंद्र सरकार से परामर्श करने के लिए बाध्य है।卐 उन्होंने कहा कि जो स्पष्ट प्रश्न उठे, वे यह है कि 卐क्या गुजरात सरकार ने केंद्र सरकार से परामर्श किया? इसके बाद, केंद्र सरकार का क्या विचार था?卐 उन्होंने कहा, 'यह अकल्पनीय है कि गुजरात सरकार ने केंद्र सरकार के दृष्टिकोण की अवहेलना की होगी, पीएम और गृहमंत्री को इन सवालों के जवाब दें। वे चुप्पी नहीं साध सकते।'

शिवसेना ने नाम लेकर पीएम मोदी पर किया सीधा हमला, देशभक्ति को व्यापार में बदलना बेशर्मी की पराकाष्ठा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

भले ही शिवसेना के बागी विधायकों और सांसदों का एक समूह भाजपा के साथ गया हो, लेकिन शिवसेना नेतृत्व का भाजपा विरोधी स्वर अभी भी कम नहीं हुआ है। लाल किले से देश की आजादी के अमृत महोत्सव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण की शिवसेना ने जमकर आलोचना की है। एक ओर बेरोजगार युवक राष्ट्रसेवक आदि को अग्निवीर कहकर बुलाते है और दूसरी ओर भर्ती के लिए आने पर उनका अपमान किया जाता है। शिवसेना नेतृत्व ने पार्टी के मुखपत्र सामना के जरिए अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि राष्ट्रवाद का ऐसा व्यापार बेशर्मी की पराकाष्ठा है। लोग भूखमरी पर वंदे मातरम के नारे लगाने को मजबूर। इन व्यवसायों को बंद किया जाना चाहिए। अवैध, असंवैधानिक कृत्यों पर शर्म आती है।

केंद्र सरकार की ओर से लाई गई अग्निवीर योजना और इससे जुड़े सवालों को लेकर शिवसेना ने आक्रामक रुख अख्तियार किया है। आजादी के अमृत महोत्सव का राजनीतिक उत्सव खत्म हो गया है तो सरकार को देश के बुनियादी मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। लाल किले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुत कुछ बोला। उनका भाषण राजनीतिक प्रचार था। उन्होंने लाल किले से 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी की। प्रधानमंत्री का भाषण समाप्त हो गया है और यहां महाराष्ट्र में 'अग्निवीर' योजना जोरों पर है। अग्निवीर भर्ती के लिए संभाजीनगर आए हजारों बेरोजगार युवा, उन्हें बिना भोजन और पानी के दिन-रात सड़कों पर रहना पड़ा। प्रधानमंत्री जी कह रहे थे कि 'अग्निवीर' हमारे देश, राष्ट्र सेवक आदि की नियति है।

पिछले कुछ वर्षों में शिवसेना बार-बार स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या आरएसएस के योगदान पर सवाल उठाती रही है। शिवसेना ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए एक बार फिर परोक्ष रूप से आरएसएस पर निशाना साधा है। प्रधानमंत्री से लेकर भाजपा की वर्तमान पीढ़ी तक कोई भी स्वतंत्रता आंदोलन में नहीं था। इस बात को खुद प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से स्वीकार किया था। वे कहते हैं कि मैं आजादी के बाद पैदा हुआ प्रधानमंत्री हूं। तो आप आजादी का इतिहास क्यों बदल रहे हैं? भारतीय जनता पार्टी को यह अधिकार किसने दिया?

भाजपा का नीतिश सरकार पर हमला, बिहार जंगलराज की तरफ लौट रहा

पटना । भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अपराधियों के दिल से कानून का डर खत्म हो चुका है। दरअसल, पटना साहिब में स्कूल से लौट रही कक्षा 9वीं की लड़की की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई। प्रसाद ने कहा कि पटना साहिब में स्कूल से लौट रही 9वीं कक्षा की लड़की को सरेआम गोली मार दी गई। ये सामान्य अपराधिक घटना नहीं है, अपराधियों के दिल से कानून का डर खत्म हो गया है। ये क्या हो रहा है नीतीश जी? ये संकेत देता है कि बिहार जंगलराज की तरफ लौट रहा है।

इसके पहले केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता आरके सिंह ने बिहार में जंगलराज के वापसी की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि मैं बिहार से हूं और जो हो रहा है, उससे मैं शर्मिंदा हूं। जंगलराज शुरू हो गया है। कानून मंत्री खुद फरार है, वहां भी अपहरण के मामले में। आपने कैसे आदमी को कानून मंत्री बना दिया जो अनंत सिंह का दाहिना हाथ है। हालांकि आरके सिंह ने कानून मंत्री कार्तिकेय सिंह के मामले में यह टिप्पणी की थी।

अब 28 अगस्त की जगह 4 सितंबर को होगी महंगाई के खिलाफ कांग्रेस की रैली

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार को महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर घेरने की कोशिश कर रही है। पिछले दिनों भी महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का हंगामा देखने को मिला। इस बार संसद के मानसून सत्र में भी कांग्रेस की ओर से महंगाई और बेरोजगारी को बड़ा मुद्दा बनाया गया था। इन सब के बीच से दिल्ली के रामलीला मैदान में 28 अगस्त को कांग्रेस की ओर से महंगाई को लेकर हल्ला बोल रैली आयोजित होने वाली थी। लेकिन फिलहाल इसे टाल दिया गया है। अब यह रैली 4 सितंबर को होगी कांग्रेस के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने इसको लेकर एक ट्वीट किया है। अपने ट्वीट में जयराम रमेश ने लिखा कि कोविड-19 के मौजूदा हालात को देखते हुए कांग्रेस पार्टी द्वारा 28 अगस्त को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली 'महंगाई पर हल्ला बोल' रैली की तारीख आगे बढ़ाई जा रही है। अब यह रैली 4 सितंबर को होगी।

हालांकि, इससे पहले जयराम रमेश की ओर से ही इस रैली को 28 अगस्त को करने की बात कही गई थी। महंगाई को लेकर कांग्रेस नेता लगातार केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी जैसे नेता मोदी सरकार पर महंगाई और बेरोजगारी को लेकर निशाना साथ रहे हैं। जयराम रमेश ने आज इसके साथ ही यह भी कहा है कि इस रैली के माध्यम से असंवेदनशील मोदी सरकार को जोरदार संदेश दिया जाएगा। आपको बता दें कि कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी पिछले दो महीनों में दूसरी बार कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई है। इसके अलावा राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लगातार कोरोना वायरस के मामले बढ़ते जा रहे हैं। यही कारण है कि कांग्रेस की ओर से महंगाई वाली रैली को फिलहाल टालने की बात कहीं गई है।

इससे पहले कांग्रेस की ओर से कहा गया कि इस रैली से पहले 17 अगस्त से 23 अगस्त के बीच देश के सभी विधानसभा क्षेत्रों की मंडियों, खुदरा बाजारों और अन्य कई स्थानों पर महंगाई चौपाल आयोजित की जाएगी। उन्होंने एक बयान में कहा, कांग्रेस ने गत पांच अगस्त को मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन किया जिसके साथ लोगों ने खुद को जोड़ा। प्रधानमंत्री ने हताशा में आकर इसे काला जादू बताने का प्रयास किया जो इस बात को दर्शाता है कि भाजपा सरकार आसमान छूती महंगाई और बेरोजगारी पर अंकुश लगाने में नाकाम रही है। दही, छाछ, पैक की गई खाद्य वस्तुएं जैसे आवश्यक सामानों पर अत?यधिक करों के कारण महंगाई बढ़ रही है, जबकि सार्वजनिक सम्पत्तियों को मित्र पूंजीपतियों को हस्तांतरित करने और सेना में भर्ती की दिशाहीन अग्निपथ योजना जैसे कदमों से रोजगार की स्थिति बद से बदतर हो रही है।

कश्मीर में मतदाता सूची में बाहरियों को पंजीयन को लेकर फारूक अब्दुल्ला ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

श्रीनगर (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर में कामकाज के सिलसिले में बाहर से आने वाले लोग भी मतदान कर सकेंगे। चुनाव आयोग के इस फैसले को लेकर मचे बवाल के बीच नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने 22 अगस्त को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। एनसी के एक प्रवक्ता ने गुरुवार को यह जानकारी दी। बैठक में निर्वाचन आयोग द्वारा केंद्र शासित प्रदेश में क्षेत्र के बाहर के लोगों का मतदाता के तौर पर पंजीकरण की अनुमति देने के मुद्दे पर भविष्य की रणनीति तय की जाएगी। एनसी के प्रवक्ता इमरान नबी डार ने कहा, 'सीईओ द्वारा जम्मू एवं कश्मीर में क्षेत्र के बाहर के लोगों को मतदाता का दर्जा देने के संबंध में की गई घोषणा के मुद्दे पर डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने 22 अगस्त को अपने आवास पर सर्वदलीय बैठक बुलाई है।' डार ने बताया कि अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश के मुख्यधारा के राजनीतिक दलों से बात की है और उन्हें बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। प्रवक्ता ने कहा, 'पार्टी अध्यक्ष ने भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के अलावा सभी मुख्यधारा के दलों से बात की है।' जम्मू-कश्मीर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी हृदेश कुमार ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बताया था कि जम्मू एवं कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद-370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त करने के बाद पहली बार मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण किया जा रहा है और केंद्र शासित प्रदेश में करीब 25 लाख नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज होने की उम्मीद है।

भारत, थाईलैंड ने रक्षा, व्यापार संबंधों की समीक्षा की : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और थाईलैंड ने विदेश मंत्री एस जयशंकर की बैंकॉक यात्रा के दौरान रक्षा और सुरक्षा, व्यापार, संपर्क, पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। एक दिन पहले जयशंकर और थाईलैंड के उनके समकक्ष डोन प्रमुदविनई ने द्विपक्षीय संबंधों पर गहन बातचीत की थी। जयशंकर भारत-थाईलैंड संयुक्त आयोग (जेसीएम) की नौवीं बैठक की सह-अध्यक्षता करने के लिए 16 से 18 अगस्त तक थाईलैंड की यात्रा पर हैं। दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र में थाईलैंड, भारत का रणनीतिक भागीदार है, पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के संबंध बेहद प्रगाढ़ हुए हैं। थाईलैंड दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) का एक प्रमुख सदस्य है, जिसके साथ पिछले एक दशक में भारत के संबंधों में एक बड़ा विस्तार हुआ है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों मंत्रियों ने आपसी हित के व्यापक मुद्दों पर चर्चा की और राजनीतिक, रक्षा और सुरक्षा, आर्थिक और वाणिज्यिक, संपर्क, सांस्कृतिक, पर्यटन तथा लोगों के आपसी संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की।'' जयशंकर और प्रमुदविनई की सह-अध्यक्षता वाले जेसीएम की बैठक बैंकॉक में हुई। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों पक्षों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और दोनों देशों के बीच मौजूद बहु-आयामी साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।'जेसीएम से पहले मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक हुई, जहां दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों के साथ-साथ द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा की। जयशंकर ने थाईलैंड के प्रधानमंत्री प्रयुत चान-ओ-चा से भी मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से व्यक्तिगत बधाई और शुभकामनाएं दीं।

कर्नाटक में कांग्रेस एकजुट हैं, चुनाव अकेले और सामूहिक नेतृत्व में लड़ेगी: शिवकुमार

राज्य में भाजपा ध्रुवीकरण का सहारा ले रही

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने राज्य में पार्टी के एकजुट होने का दावा कर गुरुवार को कहा कि अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव अकेले और सामूहिक नेतृत्व में लड़ा जाएगा तथा कांग्रेस 224 सदस्यीय विधानसभा में 135 से अधिक सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की बहुत ज्यादा परवाह नहीं है, कि मुख्यमंत्री कौन होगा क्योंकि उनकी जिम्मेदारी कर्नाटक की भलाई के लिए कांग्रेस को जीत दिलाने की है। पिछले कुछ महीनों के दौरान कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच मतभेद की खबरें आई हैं। दोनों कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार माने जाते हैं। राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल की भूमिका में है। प्रदेश में अगले साल के मध्य में विधानसभा चुनाव होने हैं।

शिवकुमार ने दावा किया कि कर्नाटक की भाजपा सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह से विफल रही है और उसे पता है कि वह चुनाव नहीं जीत रही है, इसकारण ध्रुवीकरण का सहारा ले रही है। विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, जिस दिन से मैंने प्रदेश अध्यक्ष पद की कमान संभाली, उसी दिन से मैं विधानसभा चुनाव को लक्ष्य बनाए हुए हूं। मैं यह पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि कर्नाटक में डबल इंजन की सरकार कोई योगदान नहीं दे रही है। लोग भी महसूस करते हैं कि कर्नाटक में कोई शासन नहीं है और यह 'देश में भ्रष्टाचार की राजधानी' बन गया है।÷

सिद्धरमैया की मुख्यमंत्री पद की दावेदारी से जुड़े सवाल पर शिवकुमार ने कहा, मुझे इस बात की ज्यादा परवाह नहीं है कि कौन मुख्यमंत्री बनता है, कौन नहीं। मुझे जिम्मा मिला है कि कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के लिये काम करना चाहिए ताकि राज्य का भला हो सके और लोगों को अच्छा शासन मिल सके। मुख्यमंत्री पद के चेहरे संबंधी सवाल पर शिवकुमार ने कहा, कांग्रेस सामूहिक नेतृत्व के साथ चुनाव लड़ेगी। यह पार्टी का फैसला है, यही निर्देश मुझे दिया गया है। प्रेम और पूरी टीम भावना के साथ यह सुनिश्चित करूंगा कि हम एकजुट रहें। हमारा सामूहिक नेतृत्व होगा।''

टिकट वितरण से संबंधित सवाल पर उन्होंने कहा कि, कर्नाटक (कांग्रेस) में कोई गुटबाजी नहीं है। कर्नाटक (कांग्रेस) एकजुट है। सिर्फ चुनाव जीतने की संभावना (टिकट का) एकमात्र आधार होगा। हम टिकट देने में युवाओं और महिलाओं को सामने लाकर सामाजिक असंतुलन दूर करने वाले हैं। हम सभी साथ बैठकर टिकट वितरण को लेकर सर्वसम्मति से फैसला करने वाले हैं। कर्नाटक में पिछले कई महीनों से ध्रुवीकरण के मुद्दों के हावी रहने को लेकर उन्होंने भाजपा पर निशाना साधकर दावा किया कि अच्छा शासन देने और विकास में विफल रहने के कारण सत्तारूढ़ पार्टी ध्रुवीकरण का सहारा ले रही है। उन्होंने कहा, भाजपा के लोग जानते हैं कि वे अपनी जिम्मेदारी पूरी करने में विफल रहे हैं और उनकी सरकार अब नहीं आने वाली है। इसकारण वे सांप्रदायिक तनाव पैदा करने और ध्रुवीकरण करने का प्रयास कर रहे हैं।''

बिहार में लागू होगा दिल्ली का शिक्षा मॉडल! अरविंद केजरीवाल बोले- भारत को दुनिया का नंबर वन देश बनाना है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बिहार में हाल में ही राजनीतिक परिवर्तन के बीच नए शिक्षा मंत्री ने बड़ा बयान दिया है। बिहार के नए शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने इस बात पर जोर दिया है कि शिक्षा में बड़े बदलाव की जरूरत है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कह दिया कि बिहार सरकार दिल्ली एवं अन्य राज्यों की शिक्षा प्रणालियों का अध्ययन करने के लिए एक टीम भेजेगी। इसको लेकर अब अरविंद केजरीवाल ने प्रसन्नता जताई है। अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि ऐसे ही एक दूसरे से हम सीखेंगे तो देश आगे बढ़ेगा। हमें भारत को दुनिया का नंबर वन देश बनाना है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक लगातार दिल्ली के शिक्षा मॉडल को बेहतरीन बताते रहे हैं। दूसरे राज्यों में जाकर वह दिल्ली के शिक्षा मॉडल की तारीफ ही करते हैं। यह भी दावा करते हैं कि जिन राज्यों में उनकी सरकार बनेगी, वहां दिल्ली की शिक्षा मॉडल को ही हम लागू करेंगे।

दिल्ली के शिक्षा मॉडल का अध्ययन करने के लिए एक टीम भेजने मेंचंद्रशेखर की दिलचस्पी संबंधी खबर पर केजरीवाल ने ट्वीट किया कि चंद्रशेखर जी और उनकी टीम का दिल्ली के सरकारी स्कूलों में स्वागत है। हमें उन्हें दिल्ली के सरकारी स्कूल दिखाने में खुशी होगी। ऐसे ही एक-दूसरे से सीखेंगे तो देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने यह भी लिखा कि हमें मिलकर देश के सभी बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा देनी है, भारत को दुनिया का नम्बर-1 देश बनाना है। इससे पहले बिहार के शिक्षा मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल नेता चंद्रशेखर ने कहा था कि लोग राष्ट्रीय राजधानी में अरविंद केजरीवाल के शिक्षा मॉडल की तारीफ कर रहे हैं। हम अपने अधिकारियों को दिल्ली समेत कुछ खास राज्यों में उनकी सफल शिक्षा प्रणाली का अध्ययन करने के लिए भेजेंगे।

बिहार के नवनियुक्त शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने बुधवार को कहा था कि राज्य में स्कूल शिक्षा प्रणाली में आमूल-चूल बदलाव की जरूरत है और इसके लिए उनकी सरकार दिल्ली एवं अन्य राज्यों की शिक्षा प्रणालियों का अध्ययन करने के लिए एक टीम भेजेगी। राजद नेता चंद्रशेखर ने कहा कि लोग राष्ट्रीय राजधानी में अरविंद केजरीवाल सरकार के शिक्षा मॉडल की

प्रशंसा कर रहे हैं। हम अपने अधिकारियों को दिल्ली सहित कुछ राज्यों में सफल स्कूली शिक्षा प्रणाली का अध्ययन करने के लिए भेजेंगे। उन्होंने कहा कि स्कूल-कॉलेजों में सभी रिक्त पदों को भरा जाएगा। चंद्रशेखर ने कहा कि हमारी महागठबंधन सरकार राज्य के छात्रों को बेहतरीन शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात के राज्यपाल और मुख्यमंत्री की प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की शुभकामनाएं

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

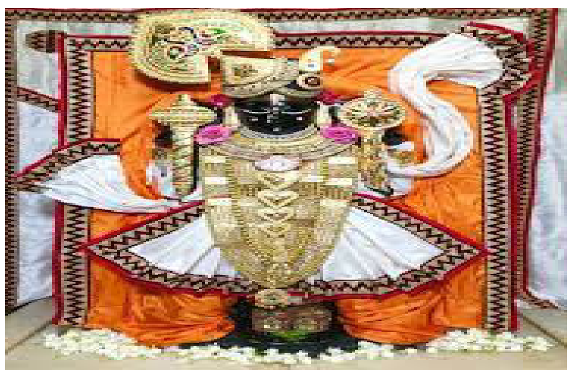

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के पावन पर्व राज्य के सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव हर्ष और परम आस्था के साथ मनाया जाता है।

भगवान श्रीकृष्ण का उपदेश सभी के जीवन को उन्नत बनाने के लिए आत्मसात करने की और फल की चिंता करे बगैर निष्काम कर्म करने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने जन्माष्टमी के पावन पर्व के अवसर पर राज्य के सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

अपने शुभकामना संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि कृष्ण जन्मोत्सव का यह पर्व परम श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जाता है। ऐसे में यह पर्व समाज में प्रेम, शांति, सामाजिक समरसता और बंधुत्व की भावना को और भी सुदृढ़ बनाएगा।

सूरत के महिला सुरक्षा गृह से दीवार कूदकर भागीं दो किशोरियां, महाराष्ट्र के रत्नागिरी में एक मिली, दूसरे की तलाश शुरू

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में महिला आश्रय से भाग निकलीं। पता चला है कि दीवार फांद कर फरार हुई दो युवतियां रामनगर की ओर चल पड़ी थीं। बाद में सूचना मिलने पर कि दोनों बच्चियां महाराष्ट्र भाग गई हैं, उनमें से एक लड़की मृत पाई गई, जबकि दूसरी लड़की की आगे की जांच की जा रही है.

भटकती लड़कियों को पुलिस शेल्टर लिया गया पांडेसरा और लिंबायत इलाकों में घूम रही 16 और 15 साल की लड़कियों को पुलिस ने पुलिस शेल्टर में ले जाया गया. बाद में ये लड़कियां इसलिए भाग गईं क्योंकि वे यहां नहीं रहना चाहती थीं। दोनों बच्चियां दीवार फांद कर भाग निकलीं और आगे की जांच रांदर पुलिस ने की है. पता चला कि किशोरी बालिकाएं महाराष्ट्र भाग गई हैं। तो जांच में एक मिला है। जबकि दूसरी लड़की से और पूछताछ की जा रही है। लड़कियों को 13वां दिया गया महिला सुरक्षा गृह प्रभारी अधीक्षक रूबी जिलादार सिंह ने बताया कि 13 तारीख की सुबह एक बच्ची को ले गए. बाद में दोपहर बाद एक और युवती को पांडेसरा व लिंबायत थाना क्षेत्र से अलग-अलग तरीकों से लाया गया। चूंकि 14 तारीख को हमारा कार्यक्रम था और चूंकि रविवार की छुट्टी थी, इसलिए इन लड़कियों की न तो काउंसलिंग की गई और न ही उनसे मुलाकात की गई। फिर ये दोनों लड़कियां एक नज़र या किसी और तरीके से आपके संरक्षण ग्रह से गुज़रीं। जिसके बारे में पुलिस को सूचना दी गई। जिसमें पता चला कि ये दोनों ट्रेन में सवार होकर भाग निकले। 15 साल की बच्ची मिली है। जबकि दूसरे किशोर की तलाश की जा रही है।

पडौसी राज्यों से शराब आती है तो उसे रोकने की जिम्मेदारी गुजरात सरकार की : गहलोत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात की शराबबंदी को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भाजपा सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अगर पड़ौसी राज्यों से गुजरात में शराब आती है तो उसे रोकने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। अगर राजस्थान से शराब आती है तो हमसे बात करो हम गुजरात में शराब नहीं आने देंगे। गुजरात विधानसभा के आगामी चुनावी तैयारियों को लेकर अशोक गहलोत दो दिन से गुजरात में हैं और कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक कर रहे हैं। अहमदाबाद में आज गहलोत ने पत्रकार परिषद में कांग्रेस का डिजीटल कैम्पेन लोंच करते हुए कहा कि गुजरात में शराबबंदी केवल कागजों तक सीमित है। यहां शराब की होम डिलीवरी होती है। गहलोत ने कहा कि अगर शराब पड़ौसी राज्यों से आती है तो उसे रोकने की जिम्मेदारी गुजरात सरकार की है7 अगर राजस्थान से शराब आती है तो गुजरात सरकार को हमसे बात करनी चाहिए। हम राजस्थान से गुजरात में शराब नहीं आने देंगे। अशोक गहलोत ने कहा कि गुजरात में 27 वर्ष से भाजपा के शासन होने के बावजूद गवर्नन्स नहीं है। पूरी सरकार बदलने की आखिर क्या जरूरत पड़ी, क्या सभी नाकाम थे? गुजरात में कहर बरपा रहे लम्पी वायरस को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग करते हुए अशोक गहलोत ने कहा कि फिलहाल इस रोक की वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। ऐसे में गाय माता का क्या होगा? देश के सात राज्यों को लम्पी वायरस ने अपनी चपेट में ले लिया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के 20 जिलों में भी लम्पी वायरस कहर बरपा रहा है। ईडी को लेकर अशोक गहलोत ने कहा कि आज सभी व्यापारी डरे हुए हैं। ईडी के डर से कोई व्यापारी कुछ भी कहने से बच रहा है। देश में आज ईडी का राज चल रहा है। गुजरात विधानसभ चुनाव के लिए अशोक गहलोत ने आज अशोक गहलोत ने कांग्रेस का डिजीटल कैम्पेन लोंच किया। जिसमें गुजरात के प्रत्येक क्षेत्र में कांग्रेस की टीम जाएगी और लोगों की बात सुनकर एक रिपोर्ट तैयार करेगी। इसी रिपोर्ट के आधार पर मेनिफेस्टो बनाया जाएगा।

अशोक गहलोत ने कहा कि 2017 में गुजरात में कांग्रेस की सरकार बनते बनते रह गई। पीएम मोदी ने जिस प्रकार एक अभिनेता की तरह अभिनय करते हैं, वैसा अभिनय हम नहीं कर सकते। मोदी ने मणीशंकर अयैर के बयान को तोड़ मरोड़ कर पेश किया।

खुद को नीच बताकर मोदी ने लोगों की सहानुभूति बटोरी। मोदी जैसे हमारे संस्कार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आज संविधान की अवगणना हो रही है। वे धर्म के नाम पर चुनाव जीत रहे हैं और उस पर उन्हें अभिमान है।

सूरत में ट्रैफिक पुलिस घटना की लाइव स्ट्रीमिंग करने वाले अधिवक्ता पर सोशल मीडिया पर हमला, अस्पताल में भर्ती

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में लस्काना पुलिस चौकी के पास अधिवक्ता मेहुल बोगरा के साथ ट्रैफिक पुलिस

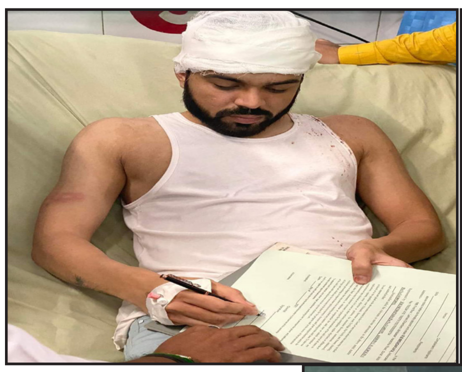

के आरक्षकों और उनके गुर्गों ने मारपीट की. घटना को लेकर पूरे शहर में ट्रैफिक पुलिस व उनके समर्थकों द्वारा रंगदारी वसूली का मामला काफी चर्चा में रहा है. आज सुबह लसकाना पुलिस चौकी पहुंचकर सोशल मीडिया पर लाइव होने की कोशिश में मेहुल बोगरे पर हमला किया गया.

ट्रैफिक पुलिसकर्मी के वायरल वीडियो पर हमला

सूरत शहर के कुछ इलाकों में ट्रैफिक पुलिस द्वारा बड़े पैमाने पर चोरी की बवाल मच गई. हर तरफ से शिकायतें आ रही हैं कि ट्रैफिक आरक्षकों

और अन्य स्थानीय लोगों की मदद से उनका पीछा किया जा रहा है. कुछ दिनों पहले, सूरत के वकील मेहुल बोगरा सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे, जिसमें ट्रैफिक पुलिस को उसके दोस्तों की मदद से बहकाने का एक वीडियो भी लाइव हो गया था।

ट्रैफिक चालकों द्वारा परेशान किए जाने की शिकायत

मेहुल बोगरा वहां गया और लसाकाना के पास ट्रैफिक जाने वालों के बड़े पैमाने पर शौच करने की खबर मिलते ही लाइव होना शुरूकर दिया। उसे देखते ही ट्रैफिक प्वाइंट पर खड़े कुछ युवकों ने उस पर घातक हथियारों से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल प्रभाव से इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

मुझे मारने की कोशिश मेहुल बोगरा ने बताया कि एक माह पूर्व जब ये ट्रैफिक गार्ड व अन्य वाहन चालकों से अवैध रूप से रुपये वसूल कर रहे थे. इस दौरान उनके और कुछ ट्रैफिक कर्मियों व अन्य के बीच कहासुनी हो गई। जिसमें उन्होंने कहा, अगर अब से तुम सामने आए तो हम तुम्हें मार देंगे। आज जब मैं वहाँ पहुँचा तो प्रार्थना का सन्देश मिलते ही मुझ पर घातक हथियार से हमला कर दिया गया। वे एक रिक्शा में हथियार लेकर आए और जैसे ही मैं दिखाई दिया, छत मेरे ऊपर गिर गई और उन्होंने मुझे मारने की कोशिश की।